दैनिक नर्मदा न्यूज
TO THE POINT
RNI.No.MPHIN/25/A3054
www.narmadanewsttp.com
● वर्ष-1, ● अंक- 157 भोपाल से प्रकाशित ● भोपाल, बुधवार 26 नवंबर, 2025 ● मूल्य 2 रुपए ● पृष्ठ 8

सुविचार

सन्न्यास का अर्थ है, मृत्यु के प्रति प्रेम। सांसारिक लोग जीवन से प्रेम करते हैं, परन्तु संन्यासी के लिए प्रेम करने को मृत्यु है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम आत्महत्या कर लें।

राम मंदिर पर फहराई धर्मध्वजा, मोदी हुए भावुक

● पीएम बोले-अब मानसिक गुलामी से मुक्ति का है लक्ष्य ● मोदी ने कहा- इसने राम को भी काल्पनिक बता दिया है

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या का राम मंदिर आज संपूर्ण हो गया। प्राण प्रतिष्ठा के 673 दिनों बाद पीएम मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। सुबह 11.50 बजे अभिजीत मुहूर्त में बटन दबाते ही 2 किलो की केसरिया ध्वजा 161 फीट ऊंचे शिखर पर फहरने लगी। पीएम भावविभोर हो गए। उन्होंने धर्मध्वजा को हाथ जोड़कर प्रणाम किया। पीएम ने कहा- आज सदियों के घाव भर गए हैं। हम देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करके रहेंगे। यह मानसिकता इतनी हावी हो गई थी कि वर्षों तक भगवान राम को काल्पनिक बताया गया।

ध्वजारोहण से पहले पीएम मोदी ने मोहन भागवत के साथ मंदिर की पहली मंजिल पर बने रामदरबार में पूजा और आरती की। इसके बाद रामलला के दर्शन किए। पीएम रामलला के लिए वस्त्र और चंवर लेकर पहुंचे थे। पीएम ने साकेत कॉलेज से रामजन्मभूमि तक लंबा रोड शो भी किया।

सदियों की वेदना आज विराम पा रही है

सदियों के घाव भर रहे हैं, सदियों की वेदना आज विराम पा रही है। सदियों से आस्था डिगी नहीं, एक पल भी विश्वास टूटा नहीं। धर्म ध्वजा केवल ध्वजा नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के पुनर्जागरण का प्रतीक है।

आने वाले सदियों तक यह ध्वज प्रभु राम के आदर्शों का उद्घोष करेगा। यह ध्वज प्रेरणा देगा कि प्राण जाए पर वचन न जाए। अयोध्या वह भूमि है, जहां आदर्श आचरण में बदलते हैं। यह वही भूमि है, जहां राम ने जीवन शुरू किया। इसी धरती ने बताया कि एक व्यक्ति अपने समाज की शक्ति से कैसे मर्यादा पुरुषोत्तम बनता है। जब भगवान यहां से गए तो युवराज राम थे, लौटे तो मर्यादा पुरुषोत्तम बनकर लौटे। **हर कालखंड में राम के विचार ही हमारी प्रेरणा बने हैं**- हर कालखंड में राम के विचार ही हमारी प्रेरणा बने हैं। विकसित भारत की यात्रा को गति देने के लिए ऐसा रथ चाहिए, जिसके पहिये शौर्य और धैर्य हों। ऐसा रथ जिसकी ध्वजा नीति-नीयत से समझौता न करे। ऐसा रथ जिसके घोड़े बल, विवेक, संयम और परोपकार हों। आज से 190 साल पहले 1835 में लॉर्ड मैकाले ने मानसिक गुलामी की नींव रखी थी। 2035 में उस अपवित्र घटना को 200 साल पूरे हो रहे हैं। हमें आने वाले 10 सालों में भारत को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करना है।

संघ प्रमुख भागवत बोले-

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- राम मंदिर आंदोलन में लोगों ने अपने प्राण अर्पण किए। आज उनकी आत्मा तृप्त हुई होगी। आज वास्तव में अशोक जी को वहां शांति मिली होगी। उन्होंने अपने प्राण अर्पण किए और अपना पसीना बहाया। जो पीछे रहे, वे भी मन में इच्छा करते रहे कि मंदिर बनेगा और आज मंदिर निर्माण की शास्त्रीय प्रक्रिया पूर्ण हो गई। ध्वजारोहण हो गया, हमने इसे अपनी आंखों से देखा है। रथ चलाने के लिए सात-सात घोड़े हैं, उन्हें नियंत्रित करने के लिए लगाम है।

सीएम योगी बोले-

सीएम योगी ने कहा कि ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहुति नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ है। भाजपा सरकार बनने पर 2014 में जिस संभावना, संकल्प और विश्वास का सूर्योदय हुआ, आज वही तपस्या और अनगिनत पीढ़ियों की प्रतीक्षा साकार हुई। श्रीराम मंदिर पर फहराता केसरिया ध्वज धर्म, मर्यादा, सत्य-न्याय और राष्ट्रधर्म का भी प्रतीक है। संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता। सभी ने 11 वर्षों में बदलते भारत को देखा है।

4300 किमी दूर दिल्ली पहुंचा इथोपिया का 'गुबार'

● 12 हजार साल बाद फटा ज्वालामुखी, 15 किमी ऊंचा उठा

अदीस अबाबा (एजेंसी)। इथियोपिया का हेली गुब्बी ज्वालामुखी 12 हजार साल बाद अचानक रविवार को फट गया। इस विस्फोट से उठने वाली राख और सल्फर डाइऑक्साइड करीब 15 किमी ऊंचाई तक पहुंच गई। यह लाल सागर पार करते हुए यमन और ओमान तक फैल गई। सोमवार रात करीब 11 बजे यह राख इथियोपिया से 4300 किमी दूर भारत के राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली-एनसीआर और पंजाब तक फैल गई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि राख

के बादल मंगलवार शाम 7.30 बजे तक भारत से साफ हो जाएंगे और चीन की ओर बढ़ जाएंगे। इस गुबार की वजह से एअर इंडिया ने अपनी 11 उड़ानें रद्द कर दी थीं। एक्सपर्ट्स ने बताया था कि इस गुबार की ऊंचाई इतनी ज्यादा थी कि आम लोगों की जिंदगी पर इसका असर काफी कम हुआ। घटना में अब तक किसी की मौत नहीं हुई यह विस्फोट अफार इलाके में हेली गुब्बी ज्वालामुखी में हुआ। यह इतना पुराना और शांत ज्वालामुखी था कि आज तक इसका कोई रिकॉर्ड नहीं था। इस घटना में किसी की मौत नहीं हुई है।

नपा अध्यक्ष का सीधे जनता से चुनाव कराएगी सरकार

एमपी कैबिनेट बैठक में विधेयक मंजूर, हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय

शहीद के भाई को सब इंस्पेक्टर बनाएंगे, 1 करोड़ का मुआवजा भी

भोपाल। मोहन कैबिनेट ने एक दिसंबर से शुरू होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में रखे जाने वाले करीब 9 हजार

करोड़ रुपए के अनुपूरक बजट और विधेयकों को मंजूरी दी है। जिन विधेयकों को मंजूरी दी गई है, उसमें प्रदेश में नगर पालिका और नगर परिषद के अध्यक्ष पद का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा कराए जाने संबंधी विधेयक भी शामिल हैं। इसके साथ ही बालाघाट हॉक फोर्स के निरीक्षक आशीष शर्मा के भाई को सब इंस्पेक्टर पद पर नियुक्ति देने और परिजनों को एक करोड़ रुपए की विशेष अनुग्रह राशि देने को भी मंजूरी दी गई है।

नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि नक्सल विरोधी अभियान के दौरान पुलिस-नक्सल मुठभेड़ में 19 नवंबर को वीरगति को प्राप्त हुए निरीक्षक (विशेष सशस्त्र बल) आशीष शर्मा, हॉक फोर्स बालाघाट के परिजन को 1 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता की स्वीकृति दी गई है।

दिग्विजय सिंह नक्सलियों के लिए आंसू बहाते हैं

● सीएम डॉ. यादव बोले- अंग्रेज चले गए, कांग्रेस छोड़ गए

कोलार में 194 करोड़ के प्रोजेक्ट का भूमिपूजन-लोकार्पण

भोपाल। भोपाल के कोलार में कुल 194 करोड़ रुपए के तीन कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण करने पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस, राहुल गांधी और दिग्विजय सिंह को आड़े हाथों लिया। कहा कि वो (राहुल गांधी) सेना से सबूत मांगते हैं और दिग्विजय सिंह यहां बोलते हैं। नक्सलियों को हमारी सेना मारती है और वो उनके लिए आंसू बहाते हैं। पता नहीं कांग्रेस कब सुधरेगी। सब एक जैसी लाइन पर ही चलते हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के दो बड़े इलाके कोलार और बैरागढ़ में 155 करोड़ रुपए की लागत से सीवेज सिस्टम के लिए भूमिपूजन किया। वहीं, कटारा-बर्रई में स्कूल बनेगी।

अमृत 2.0 में ऐसे बिछेगा सीवेज सिस्टम

अमृत 2.0 के तहत बिछाए जाने वाले सीवेज सिस्टम की कुल 155 करोड़ रुपए लागत आएगी, जो 3 साल यानी, नवंबर-2028 तक पूरा होगा। इसमें बैरागढ़ के 3 वार्ड (4, 5-6) और कोलार के 6 वार्ड (80, 81, 82, 83, 84-85) शामिल हैं। लाउखेड़ी में एसटीपी बनेगा, जबकि गुफा मंदिर, भैरवपुर, दीपड़ी, छाप और बर्रई में पंपिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। 5284 मैन होल चैंबर और 10 हजार 568 चैंबर बनाए जाएंगे।

● **सीएम ने कहा- यहां पर कांग्रेस की बुद्धि का रावण जलेगा-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, जिनके नाम पर ये स्टेडियम बना है, वे अद्वितीय व्यक्ति, जनसंघ के संस्थापक, शिक्षाविद्, भविष्य दृष्टा रहे हैं। वे 31 साल में कलकत्ता विश्व विद्यालय के वाइस चांसलर बने। आजादी के बाद भारत सरकार के मंत्री तो बने, लेकिन इसके साथ भविष्य में होने वाले संकट को भी पहचानते थे। धारा 370 जैसे कलंक को दुनिया के सामने बताया। उन्होंने नेहरूजी को भी इस बारे में बताया। चेताया भी, लेकिन नेहरूजी माने नहीं, क्योंकि अंग्रेज चले गए, कांग्रेस छोड़ गए। ये कांग्रेस की बीमारी ऐसी है। कांग्रेस के साथ संकट ये भी है कि जब भी करते हैं, ऐसा करते कि भविष्य में देश कीमत चुकाता है। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने धारा 370 के बारे में पहले ही बता दिया था। कश्मीर देश का मुकुट है। वहां पर कई कश्मीरियों की हत्या हुई। इसका पूरा पाप कांग्रेस के माथे है।

अगले पांच सालों में एक करोड़ युवाओं को मिलेगी नौकरी

● नीतिश सरकार की पहली कैबिनेट मीटिंग में फैसला

पटना (एजेंसी)। बिहार में नई सरकार गठन के बाद मंगलवार को पहली कैबिनेट मीटिंग हुई। इस मीटिंग में अगले पांच सालों में युवाओं को एक करोड़ नौकरियां देने का फैसला लिया गया। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने बताया कि रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास

सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बिहार को पूर्वी भारत का 'टेक हब' बनाने के लिए रक्षा कॉरिडोर, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पार्क, ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर, मेगा टेक सिटी और फिटनेस सिटी की स्थापना की जाएगी। सरकार का कहना है कि इन परियोजनाओं से न केवल बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होंगे, बल्कि राज्य में निवेश और औद्योगिक माहौल भी मजबूत होगा। प्रत्यय अमृत ने कहा कि सरकार ने राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ाने और उद्योगों के विस्तार को नई दिशा देने के लिए तेजी से पहल शुरू कर दी है। सरकार का दावा है कि वर्ष 2020 से 2025 के बीच 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई।

बच्ची से रेप मामले में सड़कों पर जनता

● 3 दिन से धरना जारी, रायसेन के गौहरगंज थाने पर प्रदर्शन

● आरोपी पर ईनाम 30 हजार किया, तलाश में 300 पुलिसकर्मी

भोपाल। रायसेन के गौहरगंज में 6 साल की बच्ची से दुष्कर्म का आरोपी 4 दिन बाद भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। आरोपी के एनकाउंटर की मांग को लेकर लोग तीन दिन से गौहरगंज थाने के सामने धरना दे रहे हैं। रात में कड़ाके की ठंड के बावजूद युवतियां और महिलाएं धरने से नहीं उठीं। आरोपी पर इनाम बढ़ाकर 30 हजार रुपए कर दिया है। इससे पहले सोमवार को घटना के विरोध में उग्र प्रदर्शन किया गया था। डीआईजी प्रशांत खरे ने बताया, आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 20 टीमें लगाई गई हैं।

डिजिटल वित्तीय प्रणाली को देंगे नई गति : उप मुख्यमंत्री देवड़ा

पेंशनरों को त्वरित सेवाएँ, सीबीडीसी के सफल पायलट प्रोजेक्ट पर मध्यप्रदेश अग्रणी

भोपाल । उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि प्रदेश की वित्तीय प्रणाली को पूर्ण रूप से डिजिटल और पारदर्शी स्वरूप देने के लिये राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने मध्यप्रदेश में डिजिटल करेंसी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिये आवश्यक कानूनी और वित्तीय प्रक्रियाएँ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने यह भी कहा कि पेंशन प्रकरणों को संपूर्ण रूप से डिजिटाइज किया जाएगा। इससे लाखों पेंशनरों को त्वरित और सरल सेवाएँ उपलब्ध हो सकेंगी।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा मंगलवार को मंत्रालय में वित्त विभाग की गतिविधियों की उच्च स्तरीय समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में विगत 2 वर्षों के दौरान प्रदेश का वित्तीय ढांचा अधिक सक्षम, तकनीक-सम्मत और सेवा उन्मुख हुआ है। पेंशन व्यवस्था में किए गए सुधारों के परिणामस्वरूप अब पेंशन भुगतान एसबीआई द्वारा एग्रीगेटर मॉडल में किया जा रहा है। इससे पेंशनरों को किसी भी बैंक खाते में राशि प्राप्त करने की सुविधा मिल रही है।

उपमुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने बताया कि सिंगल नोडल एजेंसी प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन से मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हुआ है। इस उपलब्धि से राज्य को 500 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है और 66 में से 47 केंद्र प्रवर्तित योजनाओं की स्वीकृतियाँ जारी हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान प्रणाली आज प्रदेश में अधिक त्वरित, सुरक्षित और विश्वसनीय बन चुकी है। उन्होंने वित्तीय प्रबंधन प्रक्रियाओं को पूर्णतः डिजिटल स्वरूप देने के लिये आईएफएमएस नेक्ट्न जेन को निर्धारित समय सीमा में लागू करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने विभागों, कोषालयों तथा आहरण एवं संवितरण अधिकारियों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित कर भुगतान प्रक्रियाओं को और अधिक पारदर्शी एवं सटीक बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश ने सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) का सफल पायलट प्रोजेक्ट पूरा कर लिया है। यह भविष्य में बगैर नकद रकम के लेनदेन, कल्याणकारी योजनाओं के भुगतान में पारदर्शिता और वित्तीय प्रक्रियाओं की गति बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसे आगामी समय में आईएफएमएस नेक्टू जेन से जोड़कर प्रमुख योजनाओं में लागू किया जाएगा।

सिंगर जुबीन की मौत हादसा नहीं, मर्डर हुआ

● असम सीएम विधानसभा में बोले- यह आपराधिक साजिश

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को विधानसभा में बताया कि सिंगर जुबीन गर्ग की मौत कोई हादसा नहीं, बल्कि हत्या थी। सरमा ने कहा कि यह गैर इरादतन हत्या या आपराधिक साजिश नहीं, बल्कि साफ-साफ मर्डर था। सीएम ने दावा किया कि एक आरोपी ने सिंगर की जान ली। वहीं अन्य लोगों ने हत्या में उसकी मदद की। असम विधानसभा में विपक्षी पार्टियां जुबीन की मौत पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव लेकर आया था। जिस पर सीएम सरमा ने आज विधानसभा में शीतकालीन सत्र के पहले दिन जवाब दिया। सीएम ने बताया कि राज्य पुलिस की एजेंसी के तहत गठित एसआईटी ने अब तक इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है, 252 गवाहों से पूछताछ की है और 29 सामान जब्त किया है।

भारत में रह रहे यहूदी जनजाति की होगी 'घर वापसी'

● सदियों से रहने वाले यहूदियों को वापस ले जाएगा इजरायल

● नेतन्याहू सरकार ने दी मंजूरी, जनसंख्या बढ़ाना है बड़ा लक्ष्य

तेल अवीव/नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल की बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार ने उस फैसले को मंजूरी दे दी है, जिसमें भारत में रहने वाले यहूदी जनजातियों को वापस ले जाना है। रविवार को इस फैसले को मंजूरी दी गई है, जिसके तहत इजरायल ने 2030 तक बेनी मेनाशे समुदाय के करीब 5,800 सदस्यों को शामिल करने के प्लान को मंजूरी दे दी है। भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों मिजोरम और मणिपुर में रहने वाले ये यहूदी समुदाय के लोग सदियों से भारत में रह रहे हैं। नेतन्याहू की सरकार ने इन्हें धीरे-धीरे उत्तरी इजरायल के गैलिली इलाके में बसाने को मंजूरी दी है। हालांकि ये क्षेत्र काफी संवेदनशील है

और यह इलाका, लेबनान के हिज़्बुल्लाह मिलिटेंट ग्रुप के साथ लड़ाई से बहुत ज्यादा प्रभावित हुआ है। पिछले दो सालों से चल रही लड़ाई में इस इलाके में रहने वाले हजारों लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस फैसले को जरूरी और जायोनी बताया और कहा कि इससे इजरायल का उत्तरी इलाका मजबूत होगा।

इजरायली सरकार की योजना के मुताबिक, पहला समूह 1,200 लोगों का होगा, जो अगले साल इजरायल जाएगा। इनके पुनर्वास और समायोजन की जिम्मेदारी इमिग्रेशन विभाग को दी गई है।

भारत में रहने वाले बेनी मेनाशे समुदाय की चर्चा शुरू

बेनी मेनाशे जनजाति के लोग खुद को बाइबिल में बताए गए मनश्शे कबीले का वंशज मानते हैं, जिसे इजरायल के खोए हुए कबीलों में से एक माना जाता है। यहूदी धर्म अपनाने और इजरायल के चीफ रब्बी से पहचान मिलने से पहले कई लोग ईसाई धर्म को मानते थे। वे पारंपरिक यहूदी रीति-रिवाजों को मानते हैं और सुकोट जैसे त्योहार मनाते हैं और अपने समुदायों में सिनेगॉग बनाए हैं। इजरायल ने 2005 तक बनी मेनाशे इमिग्रेशन को आधिकारिक तौर पर मंजूरी नहीं दी थी, लेकिन जब उस समय के चीफ रब्बी ने इस समुदाय को इजरायल के एक खोए हुए कबीले का वंशज माना, तो फिर इनके लिए इजरायल के दरवाजे खोल दिए गये।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के ज्वाला नगर में बड़ा हादसा

गिर गई इमारत, 5 घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के ज्वाला नगर में आज बड़ी घटना हो गई। यहां एक इमारत का कुछ हिस्सा भर-भराकर गिर गया। मौके पर दमकल विभाग और डीडीएमए की टीमें पहुंच गई हैं और रेस्क्यू ऑपरेशन चालू हो गया है। अचानक हुई इस घटना में 5 लोगों के घायल होने की खबर है जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, विवेक विहार के ज्वाला नगर में इमारत गिरने और उसके नीचे कुछ लोगों के मलबे में फंसने

के संबंध में दो कॉल प्राप्त हुई थीं। मौके पर पहुंचने पर, परिवार के सदस्यों में से एक अविनिश (पिता : स्वर्गीय मनबीर सिंह, पता : मकान नंबर 239/सी, गली नंबर 6, ज्वाला नगर, दिल्ली), वहां मिला। उसने बताया कि वे अपने ऊपर बताए गए मकान की तीसरी मंजिल पर एक हॉल का निर्माण करवा रहे थे और आज ही नई बनी छत गिर गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह 9 :50 बजे इमारत गिरने की कॉल मिलने के बाद, पांच दमकल गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। अधिकारी ने कहा, पांच घायल लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। बचाव अभियान जारी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि मलबे के नीचे कोई और व्यक्ति फंसा तो नहीं है।

89 लाख की साइबर ठगी

12वीं के छात्रों से लेकर अनपढ़ तक, ऐसे मचा रहे थे लूट; 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और हरियाणा में मिलकर की गई रेड में साइबर क्राइम को अंजाम देने वाले 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। ये लोग डिजिटल अरेस्ट और इन्वेस्टमेंट फॉड के जरिए लोगों को अपना लूट का शिकार बनाते थे। एक मामले में बुजुर्ग महिला से 49 लाख रुपये और दूसरे केस में

39 लाख 50 हजार रुपये लूट लिए थे। जानिए इस गिरोह के सदस्य किस तरह से उम्र दराज लोगों को लूटते थे। इस गिरोह के द्वारा 71 साल की महिला से 49 लाख रुपये की लूट की गई। इन लोगों ने खुदको कानून से जुड़ा अधिकारी बताया, फिर 71 साल की महिला को डराया धमाकाया और झूठे कानूनी दांव-पेच के जरिए डिजिटल फॉड का शिकार किया। वहीं दूसरे मामले में 43 साल के स्टेशनरी दुकान के मालिक को ठगा। उसके लिए झांसा देने का तरीका अलग अपनाया। दुकान के मालिक को क्रिप्टोकरेंसी में इन्वेस्ट करने का झांसा दिया। कहा- इसमें इन्वेस्ट करने पर ज्यादा रिटर्न मिलेगा, आदमी लालच के चक्कर में 39 लाख 50 हजार रुपये ले डूबा।

12वीं में पढ़ रहे रवि ने दिया अपना अकाउंट

गिरफ्तार किये गए पहले आरोपी का नाम रवि है, जिसकी उम्र महज 19 साल है। हरियाणा के हिसार में रहने वाला रवि 12वीं की पढ़ाई कर रहा है। इसके साथ ही नर्सिंग से जुड़ा असिस्टेंट का कोर्स भी कर रहा है। उसने बैंक में एक म्यूल खाता खोला और उसे ठगी करने के लिए दे दिया। सरल शब्दों में बताएं, तो म्यूल खाता ऐसे अकाउंट को कहा जाता है, जो साइबर अपराधियों द्वारा अवैध पैसे को घुमाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

यमुना सिटी में 366 प्लॉटों पर संकट

● रजिस्ट्री नहीं कराने वाले आवंटियों के प्लॉट होंगे रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना सिटी के 366 आवंटियों के औद्योगिक प्लॉट निरस्त करने के तैयारी शुरू हो गई है। यमुना विकास प्राधिकरण ने चेकलिस्ट जारी होने के बावजूद रजिस्ट्री न कराने पर इन आवंटियों को 30 दिन का समय देते हुए नोटिस जारी किया है।यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के एक अधिकारी ने बताया कि शहर के सेक्टर-24, 24ए, 28, 29, 30, 32 औद्योगिक सेक्टर हैं। सेक्टरों में अब तक तीन हजार से अधिक

औद्योगिक प्लॉट आवंटित किए जा चुके हैं। कई वर्ष बीतने के बावजूद अब तक सिर्फ 15 कंपनियों में ही उत्पादन शुरू हो पाया है।

यमुना सिटी में 94 प्रतिशत भूखंड खाली

यमुना सिटी में आवंटन के बावजूद 94 फीसदी औद्योगिक प्लॉट खाली हैं। इन पर कई वर्ष बाद भी औद्योगिक इकाई शुरू नहीं हो पाई। औद्योगिक विकास विभाग के सर्वेक्षण में यह बात सामने आ चुकी है। यीडा क्षेत्र में 3476 प्लॉटों का सर्वे हुआ, जिसमें 3,264 यानी करीब 94 प्रतिशत प्लॉट आवंटन के बाद भी खाली पड़े मिले। यह आंकड़ा प्रदेश के अन्य सभी प्राधिकरणों के मुकाबले सबसे अधिक है। हालांकि, सर्वे पूरा नहीं हुआ है।

उद्यमी बोले, सेक्टरों में मूलभूत सुविधा तक नहीं

यमुना एक्सप्रेसवे उद्यमी संघ के अध्यक्ष रिषभ निगम ने कहा कि प्राधिकरण से नोटिस प्राप्त हुए हैं, लेकिन इसके पीछे सबसे बड़ा कारण अभी तक नो ड्यूज सर्टिफिकेट प्राप्त न होना है, जो रजिस्ट्री के लिए अहम है। साथ ही सेक्टर-32 व 33 में पहली औद्योगिक प्लॉट योजना वर्ष 2013 में आई थी, लेकिन 12 वर्ष बाद भी करीब 115 आवंटियों को आजतक उनके प्लॉट नहीं मिल सके हैं। सेक्टर की संपूर्ण भूमि का अधिग्रहण नहीं हो सका है। सेक्टरों में 75 मीटर और 30 मीटर दोनों ही सड़कें अधूरी है। दोनों सेक्टरों में अन्य बुनियादी सुविधाएं जैसे

ईसाई ऑफिसर ने गुरुद्वारा जाने से किया इनकार

सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख, सेना में जगह नहीं

नई दिल्ली। देश की शीर्ष अदालत ने मंगलवार को एक ईसाई आर्मी ऑफिसर की याचिका पर सुनवाई की। ऑफिसर को गुरुद्वारे में पूजा करने से जाने के लिए मना करने पर नौकरी से निकाल दिया गया था। याचिका को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह मिलिट्री में रहने के लायक नहीं है। नए चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने नौकरी से बर्खास्त हुए सैमुअल कमलेसन को खारिज करते हुए कहा, वह कैसा मैसेज दे रहा है? एक आर्मी ऑफिसर की बड़ी अनुशासनहीनता। उसे नौकरी से निकाल देना चाहिए था। इस तरह के झगड़ालू लोग मिलिट्री में रहने के लायक हैं?

सीनियर के आदेश को किया था मना- सैमुअल कमलेसन तीसरी कैवलरी रेजिमेंट में लेफ्टिनेंट थे। लेकिन उन्होंने गुरुद्वारे में पूजा करने के लिए जाने से अपने सीनियर के आदेश को मना कर दिया था। उसने कहा था कि उसका एकेश्वरवादी ईसाई धर्म इसकी इजाजत नहीं देता। इसके बाद उसे मिलिट्री डिसिप्लिन तोड़ने के लिए निकाल दिया गया था।

मई में उसने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया, लेकिन अदालत ने आर्मी के फैसले को सही ठहराया था। अब मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह एक शानदार ऑफिसर हो सकता है लेकिन वह इंडियन आर्मी के लिए मिसफिट है। इस समय हमारी फोर्सेज़ पर जितनी ज़िम्मेदारियाँ हैं... हम यह नहीं देखना चाहते। सैमुअल कमलेसन की तरफ से सीनियर वकील गोपाल शंकरनारायणन ने तर्क रखे। उन्होंने कहा कि कमलेसन ने होली और दीवाली जैसे त्योहारों में हिस्सा लेकर दूसरे धर्मों के प्रति सम्मान दिखाया, लेकिन एक ही गलती के लिए उसे नौकरी से निकाल दिया गया।

60 साल में ही रिटायर होंगे कोस्ट गार्ड के सभी रैंक के अफसर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को अपने अहम फैसले में कहा कि 60 साल की रिटायरमेंट उम्र इंडियन कोस्ट गार्ड अधिकारियों के सभी रैंक पर एक जैसी लागू होनी चाहिए। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने अलग-अलग रैंक के लिए अलग-अलग रिटायरमेंट उम्र तय करने वाले नियम को रद्द कर दिया। हाईकोर्ट ने इस नियम को 'असंवैधानिक' करार दिया।

रिटायरमेंट के मौजूदा नियम के मुताबिक, इंडियन कोस्ट गार्ड में कमांडेंट और उससे नीचे के रैंक के अफसर 57 साल की उम्र में रिटायर होते थे, जबकि कमांडेंट से ऊपर के रैंक के अफसर 60 साल की उम्र में रिटायर होते थे। जस्टिस सी हरि शंकर और ओम प्रकाश शुक्ला की बेंच ने कहा, कोस्ट गार्ड में कमांडेंट और उससे नीचे के रैंक के अफसरों और कमांडेंट से ऊपर की रैंक के अफसरों के लिए रिटायरमेंट की अलग-अलग उम्र तय करने के बीच कोई तर्कसंगत संबंध दिखाने वाला कोई कारण नहीं है। इसलिए हम यह मानने को मजबूर हैं कि 1986 की नियमावली के नियम 20(1) और 20(2), जहां तक ??यह रिटायरमेंट की अलग-अलग उम्र तय करता है, असंवैधानिक है और संविधान के आर्टिकल 14 और 16 का उल्लंघन करता है। बेंच ने कहा कि कोस्ट गार्ड (जनरल) रूल्स, 1986 के रूल 20(1) और 20(2) संविधान के आर्टिकल 14 और 16 की जांच नहीं कर सकते।

● 130 मीटर रोड से जुड़ेगा ईकोटेक-16 सेक्टर

अंदर बनेंगी 3 तरह की सड़कें

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में नए औद्योगिक सेक्टर ईकोटेक-16 में आवागमन सुगम बनाने के लिए 80, 60 और 24 मीटर चौड़ी सड़कें बनाई जाएंगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने टेंडर जारी कर इसकी तैयारी शुरू कर दी है। इस सेक्टर को 130 मीटर चौड़ी सड़क के साथ दादरी जीटी रोड से भी जोड़ा जाएगा। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक, सेक्टर ईकोटेक- 16 सुनपुरा, खेड़ी और धूम मानिकपुर गांव की जमीन पर बसाया जा रहा है। इस सेक्टर में सोलर कंपनी अवाडा इलेक्ट्रो प्राइवेट लिमिटेड को 25-25 एकड़ के दो प्लॉट आवंटित किए जा चुके हैं, जबकि अन्य प्लॉटों के आवंटन की प्रक्रिया चल रही है। यहां निवेशकों और अन्य लोगों को दिक्कत न हो इसके लिए सड़कों के निर्माण की

कार्ययोजना पर काम शुरू कर दिया गया है।

अधिकारी के मुताबिक, सेक्टर के चारों तरफ 80 मीटर और 60 मीटर चौड़ी सड़कें बनाई जाएंगी। 80 मीटर सड़क चार लेन और 60 मीटर सड़क दो लेन की होगी। ग्रीन एरिया भी विकसित किया जाएगा। वहीं, सेक्टर के अंदर की मुख्य सड़क 24 मीटर चौड़ी होगी। सीनियर मैनेजर नरोत्तम सिंह ने बताया कि सड़क बनाने के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। इस पर लगभग 43 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर अगले एक से दो माह में काम शुरू करा दिया जाएगा। इस सेक्टर को 130 मीटर सड़क से जोड़ने के लिए लगभग 3 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा।

130 मीटर सड़क के किनारे फैक्ट्रियां लगेंगी

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 130 मीटर चौड़ी सड़क के किनारे औद्योगिक इकाई स्थापित करने की योजना बनाई है। उद्यमी भी इसके आसपास निवेश करने को इच्छुक हैं। इसके लिए औद्योगिक सेक्टरों में जमीन की खरीदारी के साथ जरूरी विकास कार्य कराए जा रहे हैं। सेक्टर ईकोटेक-8 और 9 130 मीटर सड़क के किनारे ही स्थित हैं। जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के चलते निवेश की संभावनाएं बढ़ गई हैं। सुमित यादव, एसीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, ''ईकोटेक-16 में सड़कों के निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है। जल्द काम शुरू कराया जाएगा। इस संबंध में वर्क सर्किल के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं।

मर्डर केस में बिना आरोपी के ट्रायल शुरू किया

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में एक महत्वपूर्ण कानूनी कदम उठाते हुए, दिल्ली पुलिस ने पहली बार भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के प्रावधानों का उपयोग करके एक हत्या के मामले में आरोपी की गैरमौजूदगी में ट्रायल शुरू किया है। पुलिस ने एक ऐसे जघन्य मामले में चार्जशीट दाखिल किया है, आरोप तय किए हैं और ट्रायल शुरू कर दिया है, जहां मुख्य आरोपी अभी तक गिरफ्तार नहीं हुआ है।

बीएनएसएस धारा 356 क्या है?- बीएनएसएस की धारा 356 पुलिस और अदालतों को जघन्य मामलों में घोषित अपराधियों के लिए उनकी गैर-मौजूदगी में ट्रायल चलाने की अनुमति देती है। पुलिस के अनुसार, यह कानून इसलिए लाया गया है ताकि अगर आरोपी समय पर पकड़ा न जाए, तो मामले लम्बे समय तक अटके न रहें।

केजरीवाल व सिसोदिया सहयोग नहीं कर रहे

फांसीघर विवाद पर विधानसभा सचिवालय ने दिल्ली हाईकोर्ट से कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने सोमवार को हाईकोर्ट से कहा कि फांसीघर मुद्दे पर विधानसभा की विशेषाधिकार कमेटी द्वारा जारी समन को चुनौती देने वाले 'आप' नेता अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया कमेटी के साथ सहयोग नहीं कर रहे हैं। हाईकोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 12 दिसंबर के लिए निर्धारित की है। विधानसभा सचिवालय के वकील ने दलील दी कि समन जारी होने के बावजूद आम आदमी पार्टी (आप) के नेता केजरीवाल और सिसोदिया एक बार भी कमेटी के समक्ष पेश नहीं हुए हैं और हवाला दिया कि उनकी याचिका अदालत में लंबित है। इस साल फरवरी में दिल्ली में भाजपा के सत्ता में आने के बाद, विधानसभा अध्यक्ष बने विजेंद्र गुप्ता ने सदन को बताया था कि ब्रिटिश काल का यह ढांचा रिकॉर्ड के अनुसार एक 'टिफिन रूम' था। 'आप' की पिछली सरकार के दौरान इसका जीर्णोद्धार किया गया था और 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री केजरीवाल ने 'फांसी घर' के रूप में इसका उद्घाटन किया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर झूठ फैलाया गया है और उन्होंने मामले को विशेषाधिकार कमेटी को भेज दिया।

दिल्ली 2021 मास्टर प्लान की पॉलिसी में बदलाव चाहता है दिल्ली विकास प्राधिकरण

भेज दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विकास प्राधिकरण ने दिल्ली के मास्टर प्लान 2021 में बदलाव का प्रस्ताव दिया है। इन बदलावों से शहर की परिवहन उन्मुख विकास नीति को अधिक आसान बनाया जाएगा।अधिकारियों ने बताया कि परिवहन गलियारों जैसे मेट्रो या आरआरटीएस के दोनों तरफ 500 मीटर की पट्टी के साथ कुल 207 वर्ग किलोमीटर जमीन अब ऊंची इमारतों वाले केंद्रों और मिश्रित-उपयोग वाली जगहों के पुनर्विकास के लिए उपलब्ध होगी।

टी ओ डी के लिए जरूरी प्लॉट का न्यूनतम साइज 80 प्रतिशत घटाकर 10,000 वर्ग मीटर से 2,000 वर्ग मीटर कर दिया गया है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि अब निर्माण करने वाले पहले की 300 की सीमा के मुकाबले 400 से 500 तक के फ्लोर एरिया रेशियो पर निर्माण कर सकेंगे, जो काफी ज्यादा है।

दिल्ली विकास प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार, इस नई नीति के तहत टी ओ डी को मेट्रो और आरआरटीएस कॉरिडोर के

आस-पास ज्यादा आबादी वाले रिहायशी और कमर्शियल विकास के लिए एक मुख्य योजना उपकरण के रूप में स्थापित किया गया है। अधिकारियों ने आगे बताया कि यह नीति पिछले छह महीनों में उपराज्यपाल वीके सक्सेना और केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री एम एल खट्टर के बीच व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार की गई है। दिल्ली विकास प्राधिकरण के एक अधिकारी ने कहा, इसका लक्ष्य है कि लोगों के घर, कार्यस्थल और नागरिक सुविधाएं परिवहन स्टेशनों (ट्रांजिट स्टेशन) से पैदल दूरी पर हों, ताकि निजी वाहनों पर निर्भरता कम हो और प्रदूषण घटे। ये बदलाव राजधानी के स्वरूप को बदलने, आवास की आपूर्ति बढ़ाने और निवासियों को अभूतपूर्व तरीके से सार्वजनिक परिवहन की ओर पुश करने का वादा करते हैं।

अब्दुल कलाम पर बिगड़े यति नरसिंहानंद के बोल

आतंकी अफजल गुरु का हमदर्द बता डाला

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद स्थित प्रसिद्ध डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद गिरी एक बार फिर अपने विवादित बयानों की वजह से चर्चा में हैं। अब उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति और देश के मिसाइलमैन कहे जाने वाले महान वैज्ञानिक अब्दुल कलाम पर कई आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं। यति ने ना सिर्फ उन्हें अफजल गुरु से हमदर्दी रखने का आरोप लगाया बल्कि उन्हें जिहाद करने वाला तक बता डाला। हैरानी की बात यह है कि यति ने यह सब पुलिसकर्मियों के सामने कहा जो उनके आगे हाथ जोड़ते रहे।

यति नरसिंहानंद ने सोमवार को प्रधानमंत्री आवास जाने का ऐलान किया था। वह इस्लामिक जिहाद को लेकर श्वेत पत्र जारी करने की मांग को लेकर पीएम आवास जाना चाहते थे। लेकिन पुलिस ने उन्हें दिल्ली जाने से रोक दिया। फिर क्या था, यति नरसिंहानंद वहीं खड़े होकर एक से बढ़कर एक विवादित बातें करने लगे। पुलिस द्वारा रोके जाने को लोकतंत्र की हत्या बताते हुए गिरी ने कहा कि इस्लाम का जिहाद मानवता का सबसे बड़ा दुश्मन है और यदि यह जारी रहा तो बहुत जल्द सारी दुनिया नष्ट हो जाएगी। इसके बाद वह पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम तक पहुंच गए और उन्हें सबसे कट्टर मुसलमान बताते

हुए अफजल के परिवार से मुलाकात, जिहाद जैसे आरोप लगाने लगे। यति ने कहा, अफजल गुरु के परिवार से सारे प्रोटोकॉल तोड़कर मिला। अब्दुल कलाम से कट्टर मुसलमान इस देश में नहीं हुआ। स्वतंत्र भारत के इतिहास में एक ही राष्ट्रपति है जो मृत्युदंड पाए किसी अपराधी के परिवार से मिला। जब तक अब्दुल कलाम उसके परिवारवालों से नहीं मिला था अफजल गुरु ने दया याचिका दायर नहीं की थी। अब्दुल कलाम ने कहा कि दया याचिका दायर करो मैं बैठा हूं यहां पर। कांग्रेस सरकार ने तब तक दया याचिका होम डिपार्टमेंट से भेजी नहीं, वरना...। यति ने अब्दुल कलाम को भारत रत्न देने वाले नेताओं के लिए भी अपशब्द का इस्तेमाल किया।

खुद को रोकने वाले पुलिसकर्मियों के सामने यति नरसिंहानंद ने कहा कि वह (अब्दुल कलाम) तीनों सेनाओं का अध्यक्ष होकर जिहाद कर सकता है और हमारा छोटा सा सिपाही भी धर्म के लिए कुछ नहीं कर सकता, क्योंकि सिस्टम हमारा ऐसा ही है। इन टिप्पणियों के बावजूद वहां खड़े पुलिसकर्मी यति को हाथ जोड़ते नजर आए। इससे पहले यति ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

सास लाई लाइटर, पति ने जलाया

चार्जशीट में खुली निक्की भाटी मर्डर की पूरी कहानी

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। कुछ महीने पहले ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में जिंदा जली निक्की भाटी को पति, सास, ससुर और जेठ ने मिलकर मारा था। 500 पन्नों की चार्जशीट में पुलिस ने दावा किया है। पुलिस का कहना है कि निक्की की हत्या से लेकर उसे दुर्घटना का रूप देने तक के लिए आरोपियों ने बारीकी से साजिश रची थी। यहां तक कि सीसीटीवी के सामने खुद को भागते हुए दिखाकर यह स्थापित करने की कोशिश की कि वह विपिन घर के बाहर था। पुलिस का कहना है कि आरोपी निक्की को इसलिए अस्पताल ले गए ताकि दिखा सकें कि वह बचाना चाहते थे। चार्जशीट में पुलिस ने निक्की के पति विपिन, सास दया, ससुर सतवीर और जेठ रोहित को आरोपी बनाया है। इन्हें बीएनएस की धारा 103 (1) (मर्डर), 115 (2) (जानबूझकर चोट पहुंचाने) और 61 (2) (आपराधिक साजिश) का आरोपी बताया है।

संक्षिप्त समाचार

खाती समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने मदनलाल

अमलाहा। खाती चंद्रवंशी क्षत्रिय समाज ने मदनलाल इटावादिया धामंदा को अम क्षेत्रीय खाती चंद्रवंशी समाज का वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किया। इस मौके पर समाज समिति सीहोर और युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह पटेल ने उनका सम्मान किया। समारोह में समाज के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। सभी ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। समाजजनों ने भरोसा जताया कि वे समाज के उत्थान और संगठन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

एसएटीआई के सामने हुई चोरी में सुराग मिला

विदिशा। शहर में दो दिन में दो बड़ी चोरिया हुई। 19 नवंबर को एसएटीआई कॉलेज के सामने मुख्य मार्ग पर श्रीवास्तव परिवार के घर में बड़ी चोरी हुई। अगले दिन रंगई मंदिर में चोरी की वारदात हुई। दोनों मामलों में पुलिस जांच कर रही है। एसएटीआई के सामने हुई चोरी में पुलिस को कुछ सुराग मिले हैं। इन सुरागों से जांच को सही दिशा मिली है। इससे जल्द खुलासे की संभावना बढ़ गई है। रविवार को गंज बासौदा में मुख्यमंत्री का कार्यक्रम होने से पुलिस व्यस्त रही। अब सोमवार से जांच फिर तेज़ की जाएगी।

स्वास्थ्य एवं पोषण पर सीआरपी दीदियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

हरदा (निप्र)। मध्य प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को स्वास्थ्य एवं पोषण विषय पर जागरूक करने के लिए ,समूह की सीआरपी दीदी को तीन दिवसीय प्रशिक्षण सीटीसी बागरूल में प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में गर्भावस्था की देखभाल, नवजात शिशु की देखभाल, शौचालय का उपयोग, आंगनवाड़ी की सेवाएं तथा पीडीएस की सेवाएं के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के बाद प्रत्येक सीआरपी अपने कार्य क्षेत्र के 5 ग्रामों में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को जागरूकता प्रदान करेंगी, पोषण दिवस कार्यक्रम में हितग्राहियों को सहयोग प्रदान करेंगी। कार्यक्रम में जिला परियोजना प्रबंधक एवं जिला प्रबंधक श्री राधेश्याम जाट उपस्थित थे।

सीवरेज लाइन में खराब पाइप सामग्री के उपयोग का आरोप

भैरूंदा। नगर परिषद क्षेत्र में इन दिनों सीवरेज लाइन (वाटरलाइन/ड्रेनेज लाइन) बिछाने का काम तेजी से चल रहा है। लेकिन स्थानीय लोगों ने इस पूरे कार्य पर गंभीर सवाल उठाए हैं। सुरेश चंद सेठी सहित कई नगरवासियों का कहना है कि काम में उपयोग की जा रही पाइप और अन्य सामग्री कंपनी की मानक सामग्री नहीं लगाई जा रही है। इससे यह आशंका गहरी हो गई है कि अधिकारी और कर्मचारी मिलकर चपत लगा रहे हैं। जनता के पैसों का दुरुपयोग हो रहा है। लोगों का कहना है कि नगर परिषद द्वारा स्वीकृत परियोजना में कंपनी की ओर से निर्धारित गुणवत्ता की पाइप और सामग्री का स्पष्ट उल्लेख है। लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग दिखाई दे रही है। मौके पर जो पाइप और फिटिंग्स लगाई जा रही हैं, वे कम गुणवत्ता वाली प्रतीत होती हैं। कई जगह तो पाइप का मोटापन और मजबूती भी तय मानकों से कम नजर आ रही है। यह आने वाले समय में लीकेज, पाइप फटने और पानी की खराब आपूर्ति जैसी बड़ी समस्याएं पैदा कर सकती हैं।

अमानक खाद्य सामग्री विक्रय करने पर 25 हजार रू जुर्माना

रायसेन (निप्र)। न्यायालय न्याय निर्णायक अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी श्री मनोज उपाध्याय द्वारा निखिल बेकरी के प्रोपराईटर बरेली तहसील के ग्राम भौंडिया निवासी श्री निखिल धाकड़ पर अमानक स्तर की खाद्य सामग्री विक्रय करने पर 25 हजार रू का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही 15 दिवस में जुर्माना राशि निर्धारित शासकीय मद में जमा कराने के आदेश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती कल्पना आरसिया द्वारा 19 फरवरी 2024 को निखिल बेकरी पावर हाउस रोड तहसील बरेली का निरीक्षण किया गया। उक्त फर्म पर मावा से बनी मिठाई केक पनीर लूज आदि का संग्रहण एवं विक्रय किया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा फर्म से मावा लूज एवं पनीर लूज का नमूना लेकर जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया। जांच में नमूना अमानक स्तर का पाए जाने पर 25 हजार रू का जुर्माना लगाते हुए 15 दिवस में राशि शासकीय मद में जमा कराने के आदेश दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री आयुष्मान निरामयम योजना के अंतर्गत श्रीमती निर्मला यदुवंशी की हुई निःशुल्क सर्जरी

बैतूल (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि आमला विकासखंड के ग्राम बांगा निवासी 45 वर्षीय श्रीमती निर्मला पति श्री निरंकार यदुवंशी पिछले एक साल से भारी पीवी रक्तस्राव से पीड़ित थी। श्रीमती निर्मला यदुवंशी माह अक्टूबर में छिंदवाड़ा के निजी चिकित्सालय में उपचार के लिए पहुंची, जहां उनकी सोनोग्राफी जांच में एडिनोमायोसिस, गर्भाशय में फाइब्रॉइड (2.17ङ्क5 सेमी) और दाहिनी ओवरी में सिस्ट (3.79ङ्क3.13 सेमी) की गंभीर समस्या से पीड़ित होना बताया गया एवं उन्हें ऑपरेशन की सलाह दी, जिसका खर्च लगभग खर्च 60-70 हजार रुपये बताया गया था। श्रीमती यदुवंशी का परिवार मजदूरी करते हैं, ऑपरेशन का खर्च उठाना उनके संभव नहीं था, उनका परिवार चिंतित रहने लगा। श्रीमती निर्मला यदुवंशी 9 नवम्बर 2025 को जिला चिकित्सालय बैतूल में उपचार के लिए पहुंची, जिला चिकित्सालय में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ भावना कवड़कर ने जांच एवं सोनोग्राफी रिपोर्ट का परीक्षण कर श्रीमती निर्मला को निःशुल्क ऑपरेशन कराने की सलाह दी। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ भावना कवडकर एवं एनेस्थेटिस्ट डॉ चित्रकला पाटिल की टीम ने 13 नवम्बर 2025 को पूर्णतः निःशुल्क टोटल एब्डॉमिनल हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय निकालने की सर्जरी) सफलतापूर्वक की। प्रधानमंत्री आयुष्मान निरामयम योजना के अंतर्गत निःशुल्क ऑपरेशन किया गया। आपॅरेशन पश्चात 20 नवम्बर 2025 को श्रीमती निर्मला यदुवंशी को अस्पताल से छुट्टी दी गई। अब वह पूरी तरह स्वस्थ हैं और खुशी-खुशी अपने घर जा चुकी हैं। शासन द्वारा चलाई जा रही स्वास्थ्य योजनाओं एवं स्वास्थ्य विभाग की सजगता से श्रीमती निर्मला यदुवंशी को नई जिंदगी मिली।

देवारण्य योजना के अंतर्गत औषधीय पौधों के संवर्धन एवं ग्रामीण आजीविका उन्नयन हेतु विभाग सक्रिय

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, औषधीय पौधों के उत्पादन में वृद्धि तथा ग्रामीण समुदायों की आजीविका को सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित देवारण्य योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए उक्त आशय के दिशा निर्देश कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सोमवार को योजना के कार्यों की समीक्षा बैठक में दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में औषधीय पौधों की वैज्ञानिक खेती, प्रसंस्करण एवं विपणन को प्रोत्साहित कर स्थानीय समुदायों को दीर्घकालिक आर्थिक लाभ प्रदान करना है।

वन विभाग, कृषि विभाग और आयुष विभाग के संयुक्त सहयोग से जिले में विभिन्न ग्राम पंचायतों में औषधीय पौधोंकृअश्वगंधा, तुलसी, गुडमार, शतावरी, कालमेघ, सोंठ आदिकृका रोपण कार्य विस्तारित किया जा रहा है। किसानों एवं ग्रामीणों को तकनीकी जानकारी, निःशुल्क प्रशिक्षण तथा गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।

योजना के तहत समाज-आधारित वन प्रबंधन की अवधारणा को बढ़ावा देते हुए स्वयं सहायता समूहों, वन सुरक्षा समितियों एवं स्थानीय संस्थाओं को औषधीय पौधों के रोपण, संरक्षण एवं संग्रहण प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर बने हैं तथा उत्पादों की वैल्यू एडिशन इकाइयों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर ही आय के स्रोत सुदृढ़ हुए हैं।

सरकार द्वारा औषधीय पौधों की खरीद एवं विपणन के लिए संस्थागत व्यवस्था विकसित की गई है, जिससे उत्पादों का उचित समर्थन मूल्य सुनिश्चित हो सके। इसके लिए विभागीय स्तर पर नियमित समीक्षा एवं निगरानी की जा रही है।

देवारण्य योजना के पर्यावरणीय लाभों को ध्यान में रखते हुए बड़े पैमाने पर पौधारोपण के माध्यम से मिट्टी की उर्वरता व जैव विविधता में वृद्धि होगी। यह योजना न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को भी नई दिशा देगी।

विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे योजना की प्रगति की सतत समीक्षा करें, प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार करें तथा अधिक से अधिक ग्रामीण परिवारों को देवारण्य योजना से लाभान्वित करें।

बैठक में योजना के क्रियान्वयन हेतु नियुक्त नोडल अधिकारी व जिला आयुष्य अधिकारी डॉ दिनेश कुमार अहिरवार ने बताया कि जिले के 11 ग्रामों में औषधीय फसल अश्वगंधा का उत्पादन लिया जा रहा है। उन्होंने शेष अन्य फसलों की जानकारी सांझा की है।

वन मंडलाधिकारी श्री हेमन्त यादव ने कहा की वन क्षेत्रों में भी औषधि फैसले को सुगमता से लिया जा सकता है जिससे वन क्षेत्र की रक्षा भी हो सकेगी।

कलेक्टर चेंबर में संपन्न हुई इस बैठक में कृषि उद्यान और उद्योग विभाग के अधिकारी तथा प्रगतिशील कृषक मौजूद रहे।

विधायक घोड़ाडोंगरी श्रीमती उईके ने खापा में किया छत चौपाल और पुलिया निर्माण का भूमिपूजन

बैतूल (निप्र)। भौंरा बीजादेही मंडल अंतर्गत ग्राम पंचायत खापा, धारनमऊ में गुरुवार को क्षेत्रीय विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उईके ने लगभग 2.50 लाख की लागत से बनने वाली छत चौपाल तथा 9 लाख की लागत से प्रस्तावित पुलिया निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उईके ने कहा कि 'गांव का विकास हर घर का सम्मान है। यह निर्माण कार्य खापा क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।' उन्होंने ग्रामीणों से जल संरक्षण, स्वच्छता और सामुदायिक भागीदारी को प्राथमिकता देने की अपील की। अतिथियों ने भी ग्रामीण बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण और जल संचय की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि 'जल संचय और ग्रामीण विकास से ही समृद्ध भारत का निर्माण संभव है।'

कार्यक्रम में श्री महेंद्र 'रिंकू' सिरोठिया, श्री मुकेश मालवीय, श्री विलकिस बारस्कर, सरपंच मालती धुर्वे, जनपद सदस्य तुलशा धुर्वे सहित ओमप्रकाश गुप्ता, अशोक नायक, लादुराम यादव, पप्पू यादव, रवि यादव, बद्री यादव, पंचगण एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने विकास कार्यों के लिए विधायक उईके का आभार व्यक्त किया।

अधिकारियों की तत्परता और संवेदनशीलता से जिला अस्पताल में बड़ा हादसा टला

मरीजों व परिजनों ने अस्पताल स्टाफ की प्रशंसा की

बैतूल (निप्र)। रविवार को जिला अस्पताल के किचन एरिया के स्टोर रूम में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की घटना सामने आई। स्थिति गंभीर होने से पहले ही अस्पताल प्रशासन की सूझबूझ, तत्परता और संवेदनशीलता से आग पर काबू पा लिया गया।

जानकारी मिलने पर प्रभारी सिविल सर्जन डॉ रुपेश पदमाकर, आरएमओ डॉ. रानू वर्मा तत्काल मौके पर पहुंचे। अस्पताल के इलेक्ट्रीशियन श्री बिहारिया और सहायक इलेक्ट्रीशियन श्री महेश तिवारी ने बिना समय गंवाए स्विच को बंद किया और अग्निशमन यंत्रों की मदद से आग बुझाई। एहतियातन फीमेल वार्ड, बच्चा वार्ड के मरीजों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया। स्टाफ की त्वरित कार्रवाई से बड़ी दुर्घटना होने से बच गई। सुबह प्रातः 9: 20 बजे आग लगने की घटना सामने आई जिस पर महज 10 मिनट में काबू पा लिया गया। इसके साथ ही मरीजों को संबंधित वार्डों में पुनः शिफ्ट करने की कार्यवाही भी चालू की गई।

घटना की जानकारी मिलते ही प्रभारी कलेक्टर श्री अक्षत जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट , मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ मनोज हुरमाड़े और ई एंड एम, एमपीईबी के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अधिकारियों और अस्पताल कर्मचारियों की त्वरित प्रतिक्रिया से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जिसके लिए मरीजों तथा उनके परिजनों ने अस्पताल प्रशासन की सराहना की।

स्ट्रा रीपर पर अनुदान की जानकारी प्रदाय की गई

नरवाई प्रबंधन को बढ़ावा देने विशेष पहल

विदिशा (निप्र)। नरवाई प्रबंधन को बढ़ावा देने और किसानों में वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री श्री शिवराजसिंह चैहान जी के गंजबासौदा आगमन के दौरान उन्नत कृषि यंत्रों की भव्य प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रदर्शनी में विशेष रूप से स्ट्रा रीपर मशीन को केंद्र में रखते हुए अनुदान, लागत एवं लाभ संबंधी विस्तृत जानकारी कृषकों को प्रदान की गई।

कृषि विभाग के उप संचालक श्री के एस खापेडिया ने बताया कि तकनीकी विशेषज्ञों ने किसानों को बताया कि राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा स्ट्रा रीपर पर आकर्षक अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे मशीन की कुल लागत का बड़ा हिस्सा सरकार वहन करती है। स्ट्रा रीपर की अनुमानित बाजार लागत, इसके उपयोग से खेतों में बचने वाले फसल अवशेषों (नरवाई) के सुरक्षित प्रबंधन के तरीके तथा इसके संचालन में होने वाले समय एवं लागत की बचत के बारे में भी विस्तार से समझाया गया।

अधिकारियों ने बताया कि स्ट्रा रीपर के उपयोग से किसान नरवाई जलाने की प्रक्रिया से पूरी तरह मुक्त हो सकते हैं, जिससे वातावरण में प्रदूषण कम होता है और मिट्टी की ऊर्वरता बनी रहती है। इसी के साथ फसल अवशेषों का उपयोग पशुओं के चारे, खाद निर्माण तथा अन्य कृषि कार्यों में किया जा सकता है, जिससे किसान की अतिरिक्त आय के स्रोत भी विकसित होते हैं। कृषकों को यह भी बताया गया कि इच्छुक किसान निकटतम कृषि यांत्रिकीकरण केंद्र या पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर अनुदान का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया, पात्रता मापदंड एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई।

प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में उपस्थित किसानों ने स्ट्रा रीपर और अन्य उन्नत कृषि यंत्रों के बारे में रुचि दिखाते हुए विभाग के विशेषज्ञों से जानकारी ली। कार्यक्रम के दौरान किसानों को आधुनिक खेती के लिए प्रोत्साहित करते हुए तकनीक अपनाने के महत्व पर भी बल दिया गया।

नियमित योग करें, रोग भगाएं और स्वस्थ जीवन अपनाएं : राठौर

सीहोर। बस स्टैंड स्थित नेहरू पार्क में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर सात दिवसीय योग शिविर की रविवार से शुरुआत हुई। यह शिविर योगाचार्य सुरेश बाबू राठौड़ के मार्गदर्शन में चलेगा। इस शिविर का नेता प्रतिपक्ष विवेक राठौर ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि योग दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं है, बल्कि यह एक संकल्प है स्वस्थ शरीर, शांत मन और संतुलित जीवन की ओर बढ़ने का।

आधुनिक जीवन की भागदौड़ में यह न केवल रोगों से बचाता है, बल्कि मन को भी शांत रखता है। हमें चाहिए कि हम रोज योग करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें, ताकि हम एक स्वस्थ और सुखी समाज का निर्माण कर सकें। इसलिए योग करें, रोग भगाएं और स्वस्थ जीवन अपनाएं।

योग स्वस्थ रहने में मददगार योगाचार्य सुरेश बाबू राठौड़ ने योग के बारे में बताते हुए कहा कि योग का नियमित अभ्यास हमें कई तरह से फायदा पहुंचाता है। यह हमारे शरीर को लचीला और मजबूत बनाता है, जिससे हम दिन-भर के कामों को आसानी से कर पाते हैं। साथ ही, यह हमारी एकाग्रता को बढ़ाता है और मन को शांत रखता है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में, जहां बीमारियां आम हो गई हैं, योग हमें स्वस्थ रहने में मदद करता है। रोज़ाना योग करने से ब्लड प्रेशर, शुगर, हृदय रोग और मोटापे जैसी कई जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को नियंत्रित किया जा सकता है।

कुपोषण मुक्त विदिशा अभियान के तहत पोषण किट वितरित

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के नेतृत्व में तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा के मार्गदर्शन में कुपोषण मुक्त विदिशा अभियान के अंतर्गत संचालित पोषण संजीवनी अभियान के तहत आज जिला चिकित्सालय स्थित एनआरसीमें भर्ती चार बच्चों को पोषण किट वितरित किए गए हैं। अभियान के दौरान अभिभावकों को पोषण किट में उपलब्ध सामग्री से विभिन्न प्रकार की पौष्टिक रेसिपी तैयार करने की विधियाँ समझाई गईं। यह पोषण किट प्रत्येक बच्चे को तीन माह के लिए दी जाने वाली आवश्यक पोषक सामग्री से तैयार की गई है। कलेक्टर श्री गुप्ता की अपील पर विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा समाजसेवियों की जनभागीदारी से एकत्रित धनराशि के माध्यम से यह किट तैयार की गई है, जिसका उद्देश्य कुपोषित बच्चों को बेहतर पोषण उपलब्ध कराना और उन्हें स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर करना है।

विदिशा में मतदाता सूची पुनरीक्षण:विधायक ने मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान में नागरिकों से सहयोग की

विदिशा। विदिशा में निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ट्रक) कार्यक्रम को लेकर मतदाता सूची सुधार का अभियान तेज हो गया है। इसी क्रम में विधायक मुकेश टंडन ने भी वार्डों में जाकर लोगों से फॉर्म सही तरीके से भरने और समय पर जमा करने का आग्रह किया।

अभियान के दौरान नागरिकों को बताया जा रहा है कि फॉर्म भरने में किसी भी तरह की दिक्कत होने पर वे सीधे अपने बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) से संपर्क कर सकते हैं। बीएलओ घर-घर जाकर फॉर्म भरवाने और उन्हें इकट्ठा करने का काम कर रहे हैं।निर्वाचन आयोग की इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन बनाना है। इसमें उन नामों को सही किया जा रहा है, जो दो जगह दर्ज हो गए थे या जिनकी जानकारी अधूरी थी। विदिशा जिले में अब तक लगभग 11 लाख 20 हजार गणना पत्रक बांटे जा चुके हैं। इनमें से करीब 50 प्रतिशत फॉर्म भरकर वापस मिल चुके हैं। फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 4 दिसंबर निर्धारित है, जिसके चलते बीएलओ तेजी से भरे हुए फॉर्म एकत्र करने में जुटे हैं।

युद्धकाल में बौद्ध धर्म की उपयोगिता- 4 सत्रों में 50 शोध-पत्र पढ़े गये चित्त की शुद्धि के लिए धम्म उपदेश उपयोगी

रायसेन (निप्र)। साँची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में आयोजित इंडियन सोसायटी फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज़ के रजत जयंती समारोह के दूसरे दिन बौद्ध धर्म, पालि भाषा, युद्धकाल में बौद्ध धर्म की व्यावहार्यता और अप्लाइड बुद्धिस्म पर चर्चा हुई। सामान्य सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. अरविंद जामखेड़कर रहे। उन्होने मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की बौद्ध स्थापत्य कला पर विचार रखें।

उन्होने साँची स्तूप के कई अनछुए पहलुओं को भी सामने रखा। आज हुए तीन समानांतर सत्रों में 50 शोधपत्र पढ़े गये। प्रो सुष्मिता पाण्डे की अध्यक्षता में हुए सत्र में शोधार्थी ने मध्य प्रदेश की पुरातात्विक महत्व की साइट तुमेन पर अपने विचार रखे। भरहुत तथा साँची स्तूप के मानव मूल्यों को भी आंका गया। बौद्ध स्थापत्य कला में डर और साहस के दर्शन को जांचा गया। इसी तरह भारत और थाइलैंड के रिश्तों को भी बौद्ध सर्किट के साथ मापा गया। प्रो. बंदना मुखर्जी की अध्यक्षता में दूसरे सत्र में धम्म पद पर, धम्म उपदेश में चित्त की शुद्धि के वर्णन, बंगाल में बौद्ध दर्शन का पुनर्रुत्थान, श्रीलंका में बुद्ध धम्म की विचार कथा, थेरगाथा में स्त्री का चित्रण, जातक कथाओं का हिंदी साहित्य पर प्रभाव जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इस सत्र में भी 10 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। अंधश्रद्धा को छोड़ वेदना निवारण के लिए चित्त शुद्धि पर जोर दिया गया। तीसरे समानांतर सत्र में अध्यक्षता की प्रो. केदार नाथ शर्मा ने।

इस सत्र में बौद्ध दर्शन के व्यवहारिक पहलू पर विशेष चर्चा की गई। सत्र में अध्ययन किया गया कि किसी भी व्यक्ति के आम जीवन में किस प्रकार बौद्ध दर्शन उपयोगी होता है। वर्तमान दौर में कैसे बौद्ध दर्शन हल बन सकता है। बौद्ध दर्शन की कल्याणकारी अर्थव्यवस्था के बारे में चर्चा की गई। विश्व और चीन के संदर्भ में बौद्ध दर्शन के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। वर्तमान काल में बौद्ध नीति शिक्षा, बौद्ध दर्शन में शांति की स्थापना, करुणा एवं कर्म इत्यादि विषयों पर 10 शोधपत्र पढ़े गए। आमंत्रित समस्त शिक्षक, विद्वान व, शोधार्थियों ने बोधि वृक्ष के दर्शन किए। इसके उपरांत उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण भी किया। जिसके बाद सभी आमंत्रित सांची स्तूप भी पहुंचे। आई.एस.बी.एस के रजत जयंती समारोह में तीसरे और अंतिम दिवस दो विशेष सत्र आयोजित किए गए हैं जिसमें प्रो. अरविंद जामखेड़कर, प्रो. सिद्धार्थ सिंह और सांची विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. वैद्यनाथ लाभ चर्चा करेंगे। दोपहर में समापन सत्र में श्रीलंका महाबोधि सोसायटी के वेनेगल उपतिस्स नायक थैरो शामिल होंगे।

संपादकीय

तेजस गिरा नहीं, हमारा भरोसा टूटा है!

भारत रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वैश्विक स्तर पर युद्ध के जो नए आयाम उभर कर सामने आ रहे हैं, उस लिहाज से रक्षा साजो-सामान का अपने देश में निर्माण और उनका उन्नयन बेहद जरूरी हो गया है। स्वदेशी एवं बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान तेजस का निर्माण भारत की इसी सोच और इच्छाशक्ति का परिणाम है। इसे देश की रक्षा तकनीक की ताकत का प्रतीक भी माना जाता है।मगर भारतीय वायुसेना में शामिल इस विमान का दुबई में आयोजित एक प्रदर्शन के दौरान शुक्रवार को हादसे का शिकार हो जाने की घटना ने रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता की राह में चिंता की लकीरें खींच दी हैं। इस हादसे को इसलिए भी चिंताजनक दृष्टि से देखा जा रहा है, क्योंकि दो वर्ष के इतिहास में यह दूसरी बार है जब तेजस दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। इससे पहले मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर में भारतीय सेनाओं के एक त्रि-सेवा अभ्यास के दौरान यह लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। तब शुरुआती जांच में विमान के इंजन में तकनीकी खराबी की ओर इशारा किया गया था । जहां तक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की बात है तो भारत पिछले कुछ वर्षों से स्वदेशी रक्षा उत्पादन के मामले में एक नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। देश में आत्मनिर्भरता एक मार्गदर्शक सिद्धांत रहा है, जिसने स्थानीय डिजाइन, विकास और विनिर्माण को प्राथमिकता देने वाली नीतियों को प्रेरित किया है। सरकारी सुधारों, रणनीतिक निवेश और औद्योगिक साझेदारियों ने नवाचार को बढ़ावा देकर घरेलू रक्षा क्षमताओं को मजबूत किया है।भारत ने स्वदेशी रक्षा प्रणाली आकाशतीर, ब्रह्मोस मिसाइल और लड़ाकू विमान तेजस जैसे रक्षा उपकरणों को तैयार कर दुनिया को अपनी तकनीक एवं उसकी शक्ति का परिचय दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देश की इस आधुनिक रक्षा प्रणाली ने अपनी क्षमता को बखूबी दर्ज किया है।सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत का रक्षा निर्यात वर्ष 2013-14 में 686 करोड़ रुपए से बढ़कर 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपए हो गया है।

धर्मेंद्र- सादा दिल गँवई फिल्म स्टार, हिन्दी सिनेमा की कई श्रेष्ठ फिल्मों के लिए किए जाएँगे याद

धर्मेंद्र की फिल्मोग्राफी देखें तो 1960 के दशक में वह मसाला फिल्मों के साथ-साथ हिन्दी सिनेमा के सबसे कलात्मक निर्देशकों के साथ लगातार काम करते रहे। इस दौरान बिमल रॉय, चेतन आनन्द, हृषिकेश मुखर्जी, असित सेन, फणी मजूमदार और अभी भट्टाचार्य जैसे निर्देशकों की फिल्मों में संवेदनशील भूमिकाएँ निभाने वाले धर्मेंद्र 1970 के दशक में एक्शन फिल्मों की तरफ झुकने लगे। या यूँ कह लें कि 1970 के दशक की कुछ कल्ट एक्शन फिल्मों ने उन्हें ही-मैन की इमेज दिला दी।

(रंगनाथ सिंह)

अभिनेता दिलीप कुमार ने अपनी आत्मकथा (द सबस्टेंट्स एण्ड द सेडो-एन ऑटोबायोग्रॉफी) में धर्मेंद्र से जुड़ा एक किस्सा साझा किया है। उस जमाने में फिल्मी सितारों के घर के बाहर आज जैसी सिक्योरिटी नहीं रहती थी। एक दिन एक नौजवान दिलीप कुमार के बंगले में घुस गया और अन्दर वहाँ तक पहुँच गया जहाँ दिलीप जी झपकी ले रहे थे। आहट से दिलीप कुमार की नींद खुली तो सामने एक अजनबी को देखकर वह चिल्ला पड़े। वह अजनबी दिलीप कुमार के जागते ही भाग खड़ा हुआ।

इस घटना के कई साल बाद अभिनेता धर्मेंद्र दिलीप कुमार से मिले और उन्हें वह घटना याद दिलायी। तब दिलीप कुमार को पता चला कि वह अजनबी कोई और नहीं बल्कि हिन्दी सिनेमा के ही-मैन धर्मेंद्र थे। अपने इंटरव्यू में धर्मेंद्र ने उस घटना को याद करते हुए बताया था कि वह लुधियाना से मुंबई आए थे। वो दिलीप कुमार को बेइंतहा पसन्द करते थे इसलिए उनसे मिलने घर चले गये। गेट पर किसी को न पाकर अन्दर चले गये मगर दिलीप कुमार को अचानक सामने देखकर वह घबरा गये।

एक दूसरे सीन में बीते जमाने की कुछ अभिनेत्रियाँ एक टीवी शो में पुराने दिनों को याद कर रही होती हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि उनके जमाने में सबसे हैंडसम हीरो कौन था तो ज्यादातर धर्मेंद्र का नाम लेती हैं। लम्बी-चौड़ी कद-काठी और खूबसूरत नैन-नक्श वाले धर्मेंद्र के लुक्स पर फिदा होने वाली इन अभिनेत्रियों ने हिन्दी सिनेमा के कई नामी अभिनेताओं के

साथ काम किया था।

एक तीसरे सीन में धर्मेंद्र अपने फार्म-हाउस में बिल्कुल देसी लिबास में खेती करते नजर आते हैं। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर हजारों लोग शेयर और लाइक करते हैं। धर्मेंद्र के लिए प्यार भरे कमेंट करते हैं।

ये तीन छवियाँ धर्मेंद्र के व्यक्तित्व के उन तीन पहलुओं को उजागर करती हैं जो रुपहले पर्दे की छवि से बाहर के धर्मेंद्र की आखिरी साँस तक पहचान रहे। आज की पीढ़ी धर्मेंद्र को सबसे ज्यादा कालजयी फिल्म 'शोले' के लिए याद करती है। 'शोले' 15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई थी। पिछले 50 साल में 'शोले' ने कल्ट का दर्जा हासिल कर लिया है। धर्मेंद्र का जन्म लुधियाना में 8 दिसंबर 1935 को हुआ था। उनका पूरा नाम धर्मेंद्र केवल कृष्ण देओल था। उन्होंने 1960 में हिन्दी फिल्मों में पदार्पण किया। उनकी पहली फिल्म थी, 'दिल भी तेरा हम भी तेरे।' बलराज साहनी और कुमकुम इस फिल्म में उनके सह-कलाकार थे। अर्जुन हिंगोरानी की फिल्म में उन्हें 'धर्मेंद्र' के नाम से प्रस्तुत किया गया और यही उनका फिल्मी नाम बन गया।

धर्मेंद्र की पहली फिल्म को आज इसलिए ही याद किया जाता है क्योंकि वह धर्मेंद्र की पहली फिल्म थी। डेब्यू करने के तीन साल बाद ही 1963 में धर्मेंद्र को बिमल रॉय की बंदिनी में महान अभिनेत्री नूतन के साथ काम करने का मौका मिला। बंदिनी ने उस साल सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता था।

अगले ही साल 1964 में चेतन आनन्द की फिल्म हकीकत आई जिसमें धर्मेंद्र भी एक अहम भूमिका में थे। इस फिल्म को भी राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त हुआ। 1966 में मीना कुमारी और धर्मेंद्र की फिल्म 'फूल और पत्थर' आयी जो उस साल की सबस बड़ी हिट साबित हुई। कई आलोचक इस फिल्म को धर्मेंद्र के करियर का टर्निंग प्वाइंट मानते हैं। 1968 में हृषिकेश मुखर्जी की सत्यकाम आयी जिसमें धर्मेंद्र के अभिनय को सभी ने सराहा। इस फिल्म को भी राष्ट्रीय पुरस्कार मिला।

धर्मेंद्र की फिल्मोग्राफी देखें तो 1960 के दशक में वह मसाला फिल्मों के साथ-साथ हिन्दी सिनेमा के सबसे कलात्मक निर्देशकों के साथ लगातार काम करते रहे। इस दौरान बिमल रॉय, चेतन आनन्द, हृषिकेश मुखर्जी, असित सेन, फणी मजूमदार और अभी भट्टाचार्य जैसे निर्देशकों की फिल्मों में संवेदनशील भूमिकाएँ निभाने वाले धर्मेंद्र 1970 के दशक में एक्शन फिल्मों की तरफ झुकने लगे। या यूँ कह लें कि 1970 के दशक की कुछ कल्ट एक्शन फिल्मों ने उन्हें ही-मैन की इमेज दिला दी।

1970 में धर्मेंद्र राज कपूर की कल्ट-क्लासिक 'मेरा नाम जोकर' में नजर आए। 1970 में ही उन्होंने हेमा मालिनी के साथ पहली फिल्म 'तुम हसीं मैं जवाँ' की। फिल्मों में से आने से पहले ही 1954 में धर्मेंद्र की प्रकाश कौर से शादी हो चुकी थी। कई फिल्मों में साथ काम करने के बाद 1980 में धर्मेंद्र ने हेमा मालिनी से विवाह किया।

1971 में राज खोसला की 'मेरा गाँव मेरा देश' और ऋषिकेश मुखर्जी की 'गुड्डी' आयीं। 'मेरा गाँव मेरा देश'में डाकुओं की कहानी थी। इस फिल्म की जबरदस्त सफलता ने उस दशक के कई फिल्मों में धर्मेंद्र को डाकू की भूमिका दिलवायी। मगर जो फिल्म 'शोले' उन्हें सर्वाधिक ख्याति दिलाने वाली थी उसमें वह डाकुओं से लड़ते नजर आए।

'सीता और गीता', 'राजा जानी', 'जुगनू'और चुपके-चुपके जैसी फिल्मों ने उन्हें अपने समय के सबसे बड़े स्टार में शुमार करा दिया। शोले की ऐतिहासिक सफलता के बाद धर्मेंद्र टफ रोल में टाइप-कास्ट होने लगे। 1980 के दशक में आईं उनकी ज्यादातर चर्चित फिल्में एक्शन प्रधान थीं। 1983 में वह कमाल अमरोही की 'रजिया सुल्तान' में नजर आए मगर इस दौर में आई उनकी एक्शन फिल्मों ने उन्हें ही-मैन की छवि तक सीमित कर दिया। बढ़ती उम्र ने धीरे-धीरे धर्मेंद्र की फिल्मी सफलता को कुंद कर दिया मगर उनका स्टारडम कभी कम नहीं हुआ। इसमें थोड़ा योगदान उनके अभिनेता बेटों सनी देओल और बॉबी देओल का भी है। इन दोनों ने अपना नाम करने के साथ ही पिता का नाम भी जिन्दा रखा। इन दोनों को धर्मेंद्र ने अपने होम-प्रोडक्शन की फिल्मों से लॉन्च किया था।

साल 2004 में धरम जी ने भाजपा के टिकट पर बीकानेर से लोक सभा चुनाव लड़ा और जीता। राजनीति उनके मिजाज से मेल नहीं खायी इसलिए उसके बाद उन्होंने इससे किनारा कर लिया। भारत सरकार ने कला जगत में उनके योगदान के लिए वर्ष 2012 में उन्हें पद्म भूषण सम्मान से सम्मानित किया।

धर्मेंद्र, सनी और बॉबी जब 'यमला पगला दीवाना' में एक साथ नजर आए तो दर्शकों ने फिल्म को ढेर सारा प्यार दिया। यही वह दौर था जब धर्मेंद्र सोशल मीडिया पर भी एक्टिव थे और अपने फार्महाउस के वीडियो दर्शकों के साथ शेयर करते रहे। इन वीडियो से दर्शकों को पता चलता था कि हिन्दी सिनेमा का यह बड़ा स्टार, निजी जीवन में बहुत सादा और गँवई है।

एक ज़रूरी सांस्कृतिक आंदोलन

बलराम गुमास्ता
कवि-साहित्यकार

आज विश्वरंग भारतीय संस्कृति का एक प्रभावी वैश्विक मंच है, जो देश और विदेशों में हिंदी भाषा, कला, संगीत, नृत्य, नाट्य जैसे विभिन्न कला माध्यमों के विकास, संवर्धन, सहयोग और प्रचार - प्रसार के कार्य में कृत संकल्प है। और इस तरह विश्व रंग ने एक सांस्कृतिक आंदोलन का स्वरूप ग्रहण कर लिया है। आज दुनिया भर में फैले, भारतीय मूल के लगभग तीन करोड़ से ज्यादा लोग, उनके परिवार और भारत में लगभग 80 करोड़ से अधिक भारतीय, हिंदी भाषा का उपयोग करते हैं। हिंदी को बोलने, लिखने, पढ़ने और समझने वालों को अगर शामिल कर लिया जाए, तो यह संख्या 100 करोड़ के लगभग होती है।

हिंदी भाषा का पठन पाठन, विकास कुछ इस तरह होना चाहिए, कि भारतीय भाषाएं और बोलियां भी फलें-फूलें और विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध श्रेष्ठ साहित्य अनुवाद के माध्यम से हमारी भारतीय उपलब्धियों की विरासत बने।

आज भारत जिस गति से, विश्व में अपनी उपस्थिति और सम्मान अर्जित कर रहा है, और प्रवासी भारतीय दुनिया के विकास में जो योगदान कर रहे हैं, दुनिया के लगभग 64 देश में पढ़ाई जाने वाली हिंदी इस बात का प्रमाण है, कि आज हिंदी की वैश्विक प्रतिष्ठा और यूनाइटेड नेशन द्वारा उसे वैश्विक भाषा का दर्जा और मान्यता प्रदान की जाए। विश्वरंग इसी संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। हिंदी के विकास पठन-पाठन और संवर्धन के लिए आंदोलन के स्तर पर प्रयत्न किये जा रहे हैं। भाषा सिर्फ अकेली नहीं चलती, वह देश और समाज के पूरे संस्कार और संस्कृति की संवाहक होती है। जाहिर है, आज मारकाट से त्रस्त दुनिया को, वसुधैव कुटुंबकम जैसे प्रेम और भाईचारे के लिए शांति, अहिंसा और भारतीय सनातन मानवीय मूल्यों की सख्त जरूरत है। इस तरह हिंदी भाषा तथा भारतीय कला रूपों और संस्कृति के विकास, संवर्धन और प्रसार के लिए विश्वरंग लगातार प्रयत्नशील है। और विश्व में अपने नाम के अनुरूप सबसे बड़े सांस्कृतिक मंच की भूमिका में है। जो आज दुनिया का अपने ढंग का सबसे बड़ा कला महोत्सव बनाकर प्रतिष्ठा अर्जित कर रहा है। पिछले वर्षों में विश्व रंग की उपलब्धियों का आकलन करें, तो विश्वरंग एक प्रभावी सांस्कृतिक आंदोलन के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर सांस्कृतिक मानवीय पर्यावरण बनाने का आंदोलन भी बन गया है। विश्व के 50 से ज्यादा देशों का संग, साथ, सहयोग और विश्व रंग आयोजन के साथ-साथ अपने-अपने देश में पूर्व रंग जैसे कार्यक्रमों काआयोजन करना,वैश्विक सहयोग अर्जित करना, विश्व रंग की सफलता ही कही जाएगी और उद्देश्यों की पवित्रता की आज विश्व रंग भारतीय सीमा लांघ विश्वरंग, मॉरीशस में आयोजित होने जा रहा है।

किसी भी भाषा का साहित्यही बताता है कि उस भाषा का सामर्थ्य और प्राप्ति क्या है। वह कितनी समर्थ है। इस दिशा में महत्वपूर्ण काम किया गया।

कथा मध्य प्रदेश हिंदी कहानी की करीब 100 सालों की परंपरा को 6 वृहद खंडों में, कथा देश लगभग 125 सालों के परिदृश्य में लिखी गई हिंदी कहानियों में से 650 प्रतिनिधि कहानियों को कथा देश के अंतर्गत खंडों में, कथा भोपाल चार वृहद खंडों में वनमाली सीरीज के अंतर्गत वनमाली पुरस्कार प्राप्त करने वाले कहानीकारों की 10 कहानियों के संग्रह, विज्ञान कविता कोश के तीन खंडों का प्रकाशन, लगभग 125 साल की बाल कविताओं के 10 खंडों का प्रकाशन कर, हिंदी की साहित्यिक विरासत और भाषा के सामर्थ्य को सामने लाया गया। इस तरह बहुत जमीनी प्रयासों से प्रारंभ, आज विश्वरंग विश्वमिति पर अपनी सार्थक रचनात्मक भूमिका एक वैश्विक सांस्कृतिक पर्यावरण के निर्माण के लिए निभा रहा है।

वर्ग पहेली 5924

1		2		3	■	4	
	■		■	5			■
6	7		■		■	■	8
9		■	10			■	
11		12	■		■	13	
■	■	14	15	■	16	■	
17	18			■	19		
20			■	21		■	

संकेतः बाएं से दाएं
1. भारतीय रजपपट की पहली नायिका जिनके रवींद्रनाथ टैगोर चचैरे परदादा थे (5)
4. चर्चा, प्रसंग (2)
5. इंद्रजाल, माया, दृष्टिबंध (3)
6. बबूल का पेड़ को यह भी कहते है (3)
9. पुत्र, बेटा (2)
10. खरगोश, खरहा, लोमकर्ण (3)
11. सद्गति प्राप्त करना, भवसागर के पार उतारना (3)
13. अवशिष्ट, घटानफल, घटानकर्म (2)
14. पटना से करीब 90 किमी दूद एक पुण्य स्थान जहां विधिवत तिल आदि से श्राद्ध करने से चार महापातकों से मुक्ति होती है (2)
17. रहनुमा, पथ प्रदर्शक, राह बनाने वाला (4)
19. विस्फोटक सामग्री, अनलचूर्ण, गन पावडर (3)
20. प्रश्न पूछना, इल्तजा, प्रार्थना (3)
21. शिष्य, धर्मदीक्षित, प्रशिक्षु (2)

ऊपर से नीचे
1. देवकी के बेटे होने के कारण भगवान श्रीकृष्ण का एक नाम (5)
2. डरपोक, भीरू (3)
3. नीतिज्ञ, नीतिनिपुण (5)
4. देह, तन, काया, बदन (2)
7. यह अरब प्रायद्वीप के उत्तर पूर्वी तट पर स्थित एक छोटा प्रायद्वीपव जिसकी राजधानी दोहा है (3)
8. जानकी सुत, लव-कुश (6)
12. पुराणानुसार दस हजार हाथियों के बराबर बल होने के कारण पांड़पुत्र भीम का एक नाम (4)
15. मित्र, दोस्त, उपपति (2)
16. वह दस्तावेज जिसके द्वारा किसी मनुष्य की संपत्ति दूसरे के अधिकार में आती है (3)
17. वैधक के मत से शरीरस्थ सात साधुओं में से पहली, तरल पदार्थ (2)
18. वायु, पवन, समीर (2)

वर्ग पहेली 5923 का हल

ग	र	ना	ई	■	अ	स	म
र	त	ना	रा	■	म	न	न
म	न	■	न	मा	ज	■	का
ह	■	द	■	■	द	वा	मी
वा	सु	कि	■	म	■	र	त
■	ख	खा	न	त	■	दा	■
ल	■	नू	री	■	सं	त	री
ब	ह	स	■	हु	त	■	ति

कांग्रेस की बिहार हार की खीझ चुनाव आयोग पर

(योगेंद्र योगी)

राहुल गांधी ने यह भी धमकी दी है कि चुनाव आयोग में ऊपर से नीचे तक जो भी इस काम में शामिल है, वह उन्हें नहीं बख्शेंगे। उनके अनुसार, चुनाव आयोग देशद्रोह कर रहा है। इसमें कहा गया है कि उन्होंने सार्वजनिक रूप से धमकी दी है कि अगर मुख्य चुनाव आयुक्त/चुनाव आयुक्त रिटायर हुए, तो वह उन्हें परेशान करेंगे।

खिसयानी बिल्ली खंभा नौचे। बिहार चुनाव में भीषण पराजय के बाद कांग्रेस की यही हालत हो गई है। चुनावी जीत के लिए भ्रष्टाचार और जंगलराज से समझौता करने वाली कांग्रेस हार की खीझ चुनाव आयोग पर निकाल रही है। यह पहला मौका नहीं है कि जब कांग्रेस ने अपनी गिरेंबां में झांकने के बजाए चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर अपनी हार का ठीकरा फोड़ने का प्रयास किया है। संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कांग्रेस की इस हरकत के लिए देश के प्रबुद्ध जनों ने फटकारा है। देश के 272 प्रतिष्ठित नागरिकों ने एक पत्र लिखकर राहुल गांधी की आलोचना की है। यह पत्र लिखने वालों में 16 जज, 123 रिटायर नौकरशाह (जिनमें 14 राजदूत शामिल हैं) और 133 रिटायर सशस्त्र बल अधिकारी शामिल हैं। सभी ने एक खुला पत्र लिखकर विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी द्वारा भारत के चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने के प्रयासों की निंदा की है।

इस पत्र में लिखा है कि हम, नागरिक समाज के वरिष्ठ नागरिक इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं कि भारत के लोकतंत्र पर बल प्रयोग से नहीं, बल्कि इसकी आधारभूत संस्थाओं के विरुद्ध जहरीली बयानबाजी की बढ़ती लहर से हमला हो रहा है। कुछ राजनीतिक नेता, वास्तविक नीतिगत विकल्प प्रस्तुत करने के बजाय, अपनी नाटकीय राजनीतिक रणनीति के तहत भड़काऊ लेकिन निराधार आरोपों का सहारा ले रहे हैं। पत्र में आगे कहा गया है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता ने बार-बार चुनाव आयोग पर हमला करते हुए कहा है कि उनके पास इस बात के स्पष्ट प्रमाण हैं कि चुनाव आयोग वोट चोरी में शामिल है और उन्होंने दावा किया कि उनके पास 100 प्रतिशत सबूत हैं। अविश्वसनीय रूप से असभ्य बयानबाजी करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें जो मिला है वह एक परमाणु बम है और जब यह फटेगा, तो चुनाव आयोग के पास छिपने की कोई जगह नहीं होगी।

राहुल गांधी ने यह भी धमकी दी है कि चुनाव आयोग में ऊपर से नीचे तक जो भी इस काम में शामिल है, वह उन्हें नहीं बख्शेंगे। उनके अनुसार, चुनाव आयोग देशद्रोह कर रहा है। इसमें कहा गया है कि उन्होंने (राहुल गांधी) सार्वजनिक रूप से धमकी दी है कि अगर मुख्य चुनाव आयुक्त/चुनाव आयुक्त रिटायर हुए, तो वह उन्हें परेशान करेंगे। फिर भी, इतने तीखे आरोपों के बावजूद उन्होंने निराधार आरोप लगाने और लोक सेवकों को उनके कर्तव्य पालन के दौरान धमकाने की अपनी जवाबदेही से बचने के लिए निर्धारित शपथ पत्र के साथ कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की है। कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों के कई वरिष्ठ नेता और वामपंथी एसआईआर के खिलाफ इसी तरह की तीखी बयानबाजी में शामिल हो गए हैं, यहां तक कि यह भी घोषित कर दिया है कि आयोग 'भाजपा की बी-टीम' की तरह काम करके पूरी तरह से बेशर्मी पर उतर आया है।

आज का राशिफल

मेष

आज के दिन आपको थोड़ा सतर्क रहना होगा। किसी भी व्यक्ति से जल्दबाजी में वादा करने से बचें। आप जिसकी मदद करने की सोच रहे हैं वो आपका फायदा उठाने की कोशिश कर सकता है। ऐसे में किसी भी प्रोफेशनल निर्णय में स्पष्टता रखें। अपनी ऊर्जा सही दिशा में लगाएं।

वृष

आज आपके कंधों पर अतिरिक्त जिम्मेदारियां आ सकती हैं। नौकरीपेशा लोगों को कोई नया काम आपको सौंपा जा सकता है। घर में भी आपको आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभालनी पड़ सकती है। ऐसे समय में किसी समझदार व्यक्ति की सलाह बेहद काम आएगी।

मिथुन

आज आपको कार्यस्थल और आसपास के माहौल पर नजर बनाए रखनी होगी।ऐसे में सतर्क रहें और अपनी योजनाओं को बहुत अधिक साझा न करें। किसी पर आंख बंद कर के भरोसा न करें और धैर्य के साथ काम करें।

कर्क

आज के दिन आपको कोई प्रेम प्रस्ताव मिल सकता है। इस दौरान कोई भी निर्णय सोच समझकर करें। ऐसी संभावना नजर आ रही है कि सामने वाला किसी इरादे से करीब आ रहा हो। करियर में भी कुछ बदलाव करने की जरूरत पड़ सकती है।

सिंह

आज आपको अपने काम में तेजी देखने को मिलेगी। यदि आप ढीले पड़े तो महत्वपूर्ण कार्यों में देरी हो सकती है। ऐसा भी हो सकता है कि जिस अवसर पर आपकी नज़र थी, वह किसी दूसरे को मिल जाए। इसलिए समय बर्बाद किए बिना अपनी प्राथमिकताओं पर ध्यान दें।

कन्या

आज किसी पुराने संकल्प को पूरा करने के लिए अच्छा दिन है। किसी धर्मस्थल पर जाने की योजना भी बन सकती है। आज किसी भी मामले को जितना खींचेंगे, उतनी ही परेशानी का सामना करना पड़ेगा। खर्चों के भी बढ़ने की संभावना नजर आ रही है।

तुला

आज आपको कोई ऐसा कार्य सौंपा जा सकता है जिसमें जिम्मेदारी अधिक होगी। चलते-फिरते किसी प्रियजन से अचानक मुलाकात भी हो सकती है। आपको किसी की मदद की ज़रूरत पड़ सकती है। हालांकि, दिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण रहेगा, लेकिन सकारात्मक रवैया अपनाकर ही आप आगे बढ़ सकते हैं।

धनु

आज के दिन आप किसी उलझन में पड़ सकते हैं। किसी अनुचित प्रस्ताव से परेशानी महसूस हो सकती है। ऐसे में आपके लिए बेहतर होगा कि अपना पक्ष साफ कर दें। किसी भी तरह की गलतफहमी संबंधों में तनाव पैदा कर सकती है। अपने शब्दों और व्यवहार में स्पष्टता बनाए रखें।

कुंभ

लंबे समय के बाद आपकी दिनचर्या में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है। आज के दिन कोई नया पद या कोई भूमिका आपको मिल सकती है। ऐसे में बिना किसी देरी के उसे तुरंत स्वीकार कर लें। यह मौका आपके करियर को नई दिशा दे सकता है।

वृश्चिक

आज भावनाओं में बहकर कोई गलत निर्णय लेने से बचें। कोई भी जल्दबाजी आगे चलकर परेशानी का कारण बन सकती है। दूसरों के लिए अच्छी सोच आपको करियर में आगे ले जाएगी। हर कदम सोच-समझकर उठाना आपके लिए जरूरी होगा।

मकर

आज के दिन वृश्चिक राशि के जातकों को आसपास के लोगों से मदद मिल सकती है। नौकरी या कारोबार में आपको मार्गदर्शन मिल सकता है। आज अपने प्रयासों को समय पर पूरा करें और अवसरों को हाथ से न जाने दें। आज किया गया प्रयास आगे सफलता दिला सकता है।

मीन

आज आपको किसी समारोह, कार्यक्रम के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। आज के दिन आपकी सादगी सबके बीच अलग पहचान दिलाएगी। आपकी उपस्थिति आज कुछ लोगों का ध्यान आकर्षित कर सकती है। ऐसे में अपने व्यवहार में गरिमा और संयम बनाए रखें।

अंतरिक्ष में 1995 में पहली बार उगाया गया था आलू

ये बात हैरान कर सकती है कि ब्रह्मांड का सिर्फ 4% हिस्सा ग्रह, तारे और आकाशगंगाओं से बना है। बाकी 96% हिस्सा डार्क मैटर और डार्क एनर्जी से बना है, जिसे वैज्ञानिक अभी तक पूरी तरह समझ नहीं पाए हैं। अगर आप अंतरिक्ष में दो समान धातुओं के टुकड़े एक-दूसरे को स्पर्श करा दें तो वो स्थायी रूप से जुड़ सकते हैं। इस प्रक्रिया को कोल्ड वेल्डिंग कहा जाता है।

क्या आपने कभी आसमान की ओर देखते हुए अंतरिक्ष में जाने की कल्पना की है। अंतरिक्ष..वो ऐसा अनंत विस्तार जहां न कोई सीमा है न किनारा। ये सृष्टि का ऐसा अनदेखा कोना है जहां अनगिनत तारे टिमटिमाते रहते हैं..ग्रह अपनी कक्षाओं में घूमते हैं और धूमकेतु समय की नदी में तैरते हुए अपनी कहानियां लिखते हैं। ये ब्रह्मांड की अनंत गहराइयों में छिपे रहस्यों का भंडार है, जिसे लेकर मनुष्य हमेशा से जिज्ञासा में डूबा रहा है। यही वजह है कि विज्ञान के माध्यम से हमेशा स्पेस को जानने की कोशिश की जाती है।

जब हम रात के आसमान में चमकते तारों को देखते हैं तो एक प्रश्न हमारे मन में उठता है.. क्या वहां कहीं जीवन होगा? क्या अंतरिक्ष सिर्फ शून्य और अंधकार से भरा है या उसके पार भी कुछ है? वैज्ञानिकों का मानना है कि हमारा ब्रह्मांड अनंत है जिसमें न जाने कितने आकाशगंगाएं हैं, कितने ग्रह और जानें क्या-क्या रहस्य छिपे हुए हैं।

अंतरिक्ष में छिपे हैं जानें कितने रहस्य

आज भी ये प्रश्न अनुत्तरित है कि क्या पृथ्वी के अलावा भी कहीं और जीवन है? कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि किसी न किसी रूप में जीवन की संभावना ब्रह्मांड के किसी न किसी कोने में तो जरूर होगी। खोज में कई ऐसे ग्रह मिले हैं जो हमारी पृथ्वी से काफी मिलते-जुलते हैं। लेकिन ये रहस्य बना हुआ है कि वहां अगर जीवन होगा तो कैसा होगा। हम अपनी कल्पनाओं में एलियंस के चेहरे बनाते मिटाते रहते हैं। साइंस फिक्शन फिल्मों में जाने कितने एलियंस और अंतरिक्ष के छिपे हुए रहस्यों की कल्पनाओं को उकेरा गया है। लेकिन अब भी ये सिर्फ हमारी कल्पनाएं ही हैं। असलियत क्या है..वो जानने में जानें कितना समय और लगेगा। मगर अब तक अंतरिक्ष को लेकर जो खोज हुई हैं..

जानिए स्पेस से जुड़ी ये रोचक बातें

अंतरिक्ष में बिना सुरक्षा उपकरण के जिंदा रहना नामुमकिन - अगर कोई व्यक्ति बिना स्पेससूट के अंतरिक्ष में चला जाए तो वो सिर्फ दो मिनट तक ही जीवित रह सकता है। वहां न हवा होती है, न दबाव जिससे शरीर फट सकता है!

खाने में परेशानी - स्पेस में भोजन करना भी आसान नहीं। वहां खाने पर नमक या मिर्च सीधे छिड़का नहीं जा सकता क्योंकि वो हवा में तैरने लगेंगे और आंखों में भी जा सकते हैं। इसलिए अंतरिक्ष यात्री खास तरह के liquid food का इस्तेमाल करते हैं।

सोना भी एक चुनौती - अंतरिक्ष यात्री जीरो ग्रैविटी के कारण हवा में तैरते रहते हैं, इसलिए उन्हें सोने के लिए खास तरह के स्लीपिंग बैग में खुद को बांधना पड़ता है।

बृहस्पति का विशाल तूफान - हमारे सौर मंडल का सबसे बड़ा तूफान बृहस्पति ग्रह पर है, जिसे ग्रेट रेड स्पॉट कहा जाता है। यह धरती से दोगुना बड़ा है और सैकड़ों सालों से लगातार चल रहा है।

एक स्पेससूट की कीमत करोड़ों में - नासा के एक स्पेससूट की कीमत लगभग 90 करोड़ रुपये होती है। यह सूट अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित रखने के लिए हाईटेक तकनीक से बना होता है।

सबसे दूर गया मानव निर्मित यान - नासा का वॉयेजर 1 अंतरिक्ष यान अब तक 21.7 बिलियन किलोमीटर की दूरी तय कर चुका है और अब भी पृथ्वी से लगातार दूर जा रहा है।

अंतरिक्ष में आलू की खेती - 1995 में अंतरिक्ष में पहली बार आलू उगाया गया था जो अंतरिक्ष में भोजन उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

अंतरिक्ष में पूरी तरह शांति है - चौंकाने वाली बात है कि अंतरिक्ष में कोई आवाज़ नहीं होती, क्योंकि वहां हवा नहीं है। यानी अगर आप वहां जोर से चिल्लाएंगे तो भी कोई आपको सुन नहीं पाएगा।

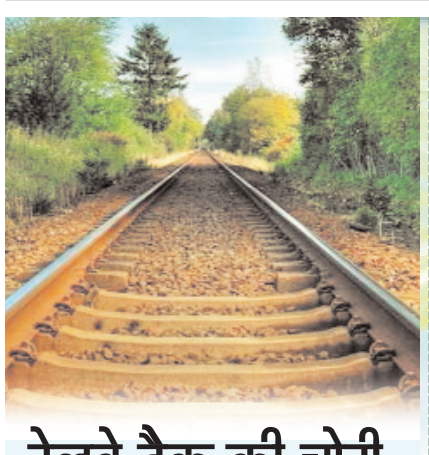

रेलवे ट्रैक की चोरी है नामुमकिन, जानें इसकी वजह

इंडियन रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। यह भारत के लोगों को एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचाने का काम करते हैं। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि एक दिन में पूरे देशभर से करीब 1300 ट्रेनों का संचालन होता है। लोग ट्रेन में सफर करने से पहले तरह-तरह की तैयारी कर लेते हैं। जैसे बैग पैकिंग या फिर खाने की पैकिंग। हालांकि, इससे पहले लोग अपनी सीट बुक कर लेते हैं, ताकि उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने में किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। इसमें आपको सीट नंबर, कोच नंबर, डेट ऑफ़ जर्नी, सहित अन्य तमाम जानकारी दी जाती है।

जब ट्रेन में सफर की शुरुआत होती है, तो आपको तरह-तरह के लोग मिलेंगे। तरह-तरह की चीजें देखने को मिलेंगे। इस दौरान आप बहुत से राज्यों की खूबसूरती को अपनी आंखों से निहार सकते हैं। हालांकि, इस दौरान आपके मन में बहुत सारी बातें चल सकती है। जैसे रेलवे का विस्तार किसने किया है, रेलवे ट्रैक कैसे बनाया जाता है, ट्रेन एक पटरी से दूसरी पटरी पर किस तरह जाती है या फिर कितने समय अंतराल में एक पटरी पर 2 ट्रेनें एक साथ चलती है, सिग्नल कैसे काम करता है, ड्राइवर को कौन ऑपरेट करता है, इत्यादि। ऐसी तमाम तरह के सवाल मन में हलचल पैदा करती है। वहीं, कई बार आपने यह भी सोचा होगा कि सारी चीजों की चोरी संभव है, लेकिन कभी अपने समाचार में यह नहीं सुना होगा कि रेलवे ट्रैक का लोहा कभी किसी ने चुराया हो। इसके पीछे क्या वजह है यह जानना काफी दिलचस्प भरा है।

रेलवे ट्रैक की चोरी क्यों है नामुमकिन?

भारत का रेलवे ट्रैक लाखों करोड़ों किलोमीटर तक बिछा हुआ है। यह एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे चोर या डकैत द्वारा चोरी नहीं किया जा सकता है। इसके पीछे एक बड़ी वजह है। सबसे पहली वजह तो यह है कि रेलवे की पटरिया स्लिपर्स की मदद से बहुत सुरक्षित तरीके से बांधे जाते हैं, जिसे खोलना एकदम आसान काम नहीं होता है और यह मिश्र धातु की बनी होती है, जिसे किसी भी चीज से काटना पॉसिबल नहीं होता है। इसके अलावा, दूसरी वजह यह है कि रेलवे ट्रैक का लोहा आप कहीं भी बेचे जाएंगे, तो इसे कोई खरीदना नहीं चाहता है क्योंकि अगर इसके बारे में किसी को भी भनक लग गई, तो उसे जेल हो सकती है। इसके साथ ही उस पर जुर्माना भी लग सकता है। इसलिए चोर या डकैत द्वारा कभी भी रेलवे ट्रैक नहीं चुराया जाता।

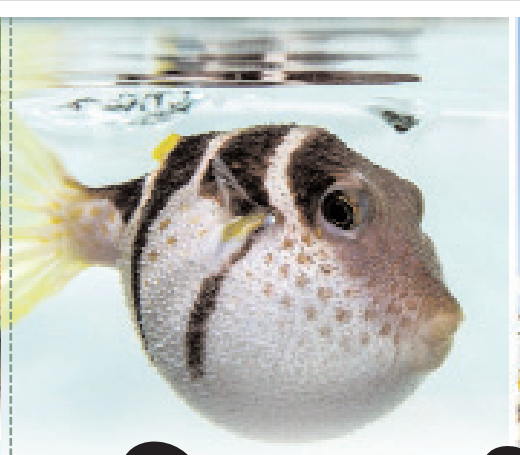

दुनिया की सबसे महंगी मछलियां

दुनिया में नॉनवेज खाने वालों की कोई कमी नहीं है। खासकर बंगाली परिवार में हर रोज सब्जी की तरह मछली बनाई जाती है। कुछ लोग मछली खाने के इतने ज्यादा शौकीन होते हैं कि वह तरह-तरह की मछलियां ट्राई करते हैं। अक्सर आपने मंहगी मछलियों में इलिश मछली का नाम सुना होगा, जिसे शादियों में बनाया जाता है, लेकिन आज हम आपको उन मछलियों के बारे में बताएंगे जो कि दुनिया भर में सबसे महंगी मछलियों की लिस्ट में शामिल है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया में एक ऐसा बाजार है, जहां मछलियों का ऑक्शन होता है। जिसमें लोग मछलियों पर बोली लगाकर उसे खरीदते हैं। इसके लिए लोग लाखों रुपये भी लगा देते हैं। समुद्री इलाके में रहने वाले लोग अधिकतर नॉनवेज खाना ही पसंद करते हैं, जिनमें उनका फेवरेट व्यंजन मछली-चावल होता है।

मछली पालने के भी होते हैं शौकीन

इससे यह साफ पता चलता है कि दुनिया में तरह-तरह के लोग रहते हैं। सभी को अलग-अलग तरीके का शौक होता है। कुछ लोगों को घूमना पसंद होता है, तो कुछ लोगों को अकेले रहना ज्यादा पसंद आता है। कुछ लोग फ्रेंड्स के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करते हैं, तो कुछ लोग अकेले ही एडवेंचर करते रहते हैं। कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जिन्हें जानवरों से लगाव होता है। तो वहीं मछली पालने के भी लोग बेहद शौकिन होते हैं।

ब्लूफिन टूना

दुनिया की सबसे महंगी मछली की लिस्ट में सबसे पहला नाम ब्लूफिन टूना का आता है, जो इस साल की सबसे महंगी बिकने वाली मछली रही है। जिसकी कीमत 5000 प्रति पाउंड है। भारतीय रुपए के हिसाब से इसकी कीमत लगभग 4 लाख 20 हजार रुपये है। इसका स्वाद बाकी सभी मछलियों से काफी अलग होता है। जिसे लोग काफी चावल से खाना पसंद करते हैं।

अमेरिकन ग्लास ईल

वहीं, दूसरे स्थान पर अमेरिकन ग्लास ईल मछली का नाम आता है। जैसा कि नाम से ही समझ में आ रहा है कि यह अमेरिकन कंट्री में पाई जाती होगी। तो हां यह नॉर्थ अमेरिका के उत्तर पूर्वीय तटों में पाई जाती है। साइज में 3 इंच वाली यह मछली इंडियन मार्केट में 2,52,181 रुपये की बिकती है। इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत 3000 डॉलर प्रति पाउंड है। इस मछली की खासियत है कि यह 4 फीट तक बढ़ सकती है।

जंगली अलास्का किंग सैल्मन

मछली के साथ चावल खाने वाले लोगों को काफी ज्यादा पसंद आने वाले मछलियों में जंगली अलास्का किंग सैल्मन नाम शामिल है। भारतीय मार्केट में इसकी कीमत लगभग रुपये 6000 तक होती है। वहीं, इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत 70 प्रति पाउंड है, जो स्वाद में काफी लाजवाब और टेस्टी होता है।

पफर फिश

इसके बाद पफर फिश का नाम आता है। यह काफी ज्यादा खतरनाक भी होती है, क्योंकि इसके शरीर के चारों तरफ कांटे लगे होते हैं। इनमें विष भी होता है, अगर यह हाथ में गड़ जाए, तो शरीर पर विष फैल सकता है। इसकी सबसे ज्यादा डिमांड अमेरिका में है। इस मछली की कीमत 200 प्रति पाउंड है। इंडियन रुपये के हिसाब से यह रुपये 17000 है।

स्वोर्ड फिश

आपने अक्सर स्वोर्ड मछली के बारे में सुना होगा। यह तलवार की तरह दिखती है, जिसकी चोंच काफी नुकीली होती है। इंडियन मार्केट में इसकी कीमत 5100 रुपये है। यह मछली अटलांटिक महासागर में पाई जाती है। वहीं, इंटरनेशनल मार्केट की बात करें तो इसकी कीमत 60 प्रति पाउंड है। महंगी शादी, पार्टियों में इसे स्पाईस तरीके से बनाया जाता है।

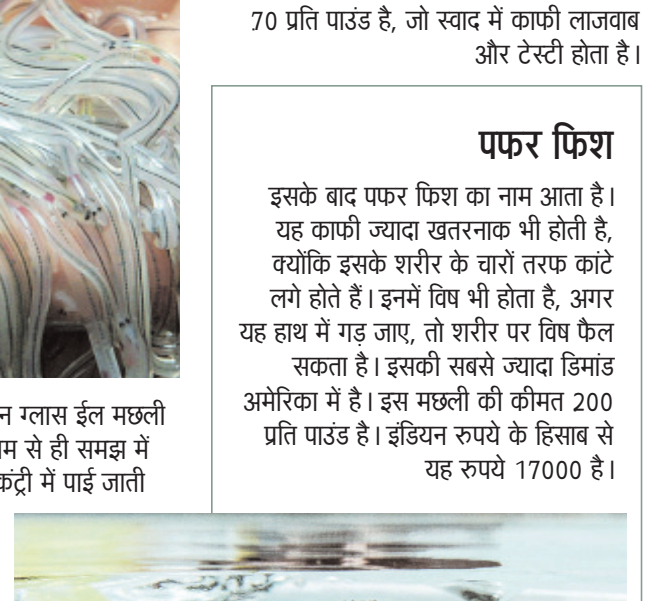

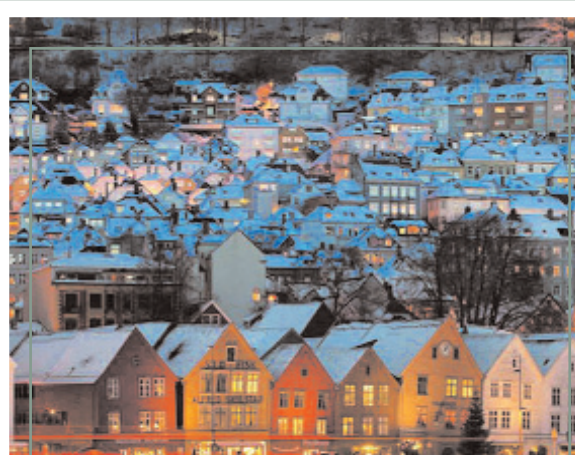

दुनिया का इकलौता देश जहां मात्र 40 मिनट की होती है रात

समय का चक्र निरंतर घूमता रहता है। दुनिया के किसी हिस्से में सूर्य चमक रहा होता है, तो किसी हिस्से में रात का अंधेरा छाया होता है। सभी जगह दिन और रात का समय अलग-अलग होता है। भारत और अमेरिका के घड़ी की बात करें, तो इसमें काफी ज्यादा अंतर पाया जाता है। विभिन्न देशों में दिन और रात की लंबाई अलग-अलग होती है। कहीं पर दिन काफी ज्यादा लंबा होता है, तो कहीं रात काफी ज्यादा लंबी होती है। दुनिया में एक ऐसा देश भी है, जहां सबसे कम समय की रात होती है। यहां आधी रात के बाद सूर्य डूबता है और कुछ ही समय में फिर से उग जाता है।

दुनिया का इकलौता देश

जी हां! यह सुनकर आपको आश्चर्य जरूर हो रहा होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच है। दरअसल, इस देश का नाम नॉर्वे है, जहां मात्र 40 मिनट की रात होती है। इसे लैंड ऑफ द मिडनाइट सन भी कहा जाता है। यहां रात करीब 12 बजकर 43 मिनट पर सूरज डूबता है और इसके 40 मिनट बाद, यानी रात के 1 बजकर 30 मिनट पर फिर से सूर्य उदय हो जाता है।

पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र

दरअसल, यह देश आर्कटिक सर्किल के पास है। जिस कारण गर्मी के महीने में सूर्य की किरणें इस क्षेत्र में सीधे पड़ती है, इसलिए यहां सूर्य बहुत कम देर के लिए ढलता है और रात बहुत छोटी होती है। यही कारण है कि नॉर्वे पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र है।

समृद्ध देशों में से एक

नॉर्वे उत्तरी यूरोप में स्थित है। इसके पश्चिम में अटलांटिक महासागर, पूर्व में स्वीडन, उत्तर में फिनलैंड और रूस है। यह दुनिया के सबसे समृद्ध देशों में से एक है। यहां की सुंदरता देखने लायक है। यदि आप भी इस जगह जाकर आनंद उठाना चाहते हैं, तो आप अपने फैमिली, फ्रेंड्स या फिर पार्टनर के साथ जा सकते हैं।

3 ट्रिलियन का आंकड़ा फिर से पार, क्रिप्टो निवेशकों की मौज

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी में फिर से तेजी आने लगी है। उतार-चढ़ाव के बावजूद लेकिन पिछले कुछ दिनों क्रिप्टो का मार्केट कैप बढ़ गया है। इसका मार्केट कैप अब फिर से 3 ट्रिलियन डॉलर यानी 3 लाख करोड़ डॉलर को पार कर दिया है। पिछली बार 3 ट्रिलियन मार्केट कैप का आंकड़ा 21 नवंबर को था। उसके बाद इसमें लगातार गिरावट आनी शुरू हो गई थी। पिछले महीने क्रिप्टो का मार्केट कैप करीब 4 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े के करीब पहुंच गया था। फिलहाल बिटकॉइन में गिरावट का आंकड़ा गिरा है तो वहीं पाई नेटवर्क को कुछ नुकसान होने लगा है।

कॉइनमार्केटकैप के अनुसार मंगलवार सुबह 11 बजे क्रिप्टोकरेंसी का मार्केट कैप 3.03 ट्रिलियन डॉलर था। वहीं 24 घंटे पहले इसका मार्केट कैप 2.98 ट्रिलियन डॉलर था। ऐसे में इसमें 24 घंटे में 0.05 ट्रिलियन डॉलर (करीब 4.45 लाख करोड़ रुपये) की तेजी आई है। वहीं पिछले 24 घंटे में अलग-अलग क्रिप्टोकरेंसी का रिटर्न मिलाजुला रहा है। ज्यादातर क्रिप्टो हरे निशान पर कारोबार कर रहे हैं। वहीं कुछ में अभी भी गिरावट बनी हुई है।

बिटकॉइन और पाई नेटवर्क का क्या हाल?
पिछले 24 घंटे में बिटकॉइन में कुछ तेजी आई है। मंगलवार सुबह 11 बजे बिटकॉइन करीब 0.80 प्रतिशत की तेजी के साथ करीब 88 हजार डॉलर पर कारोबार कर रही थी। पिछले 7 दिनों में इसमें आई गिरावट थमी है। हालांकि निवेशकों का नुकसान अभी भी बना हुआ है। 7 दिनों में बिटकॉइन 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ कारोबार कर रही है।

वहीं पाई नेटवर्क कॉइन की स्थिति कुछ गड़बड़ होने लगी है। 24 घंटे में यह 1.74 प्रतिशत गिर गई है। इस गिरावट के साथ सुबह 11 बजे यह करीब 0.2380 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। इसका पिछले 7 दिनों का रिटर्न भी कुछ कम हुआ है। 7 दिनों में यह निवेशकों को करीब 6 फीसदी रिटर्न दे चुकी है। मौजूदा गिरावट के बाद भी इसके पिछले कुछ समय का रिटर्न अच्छा रहा है।

किस क्रिप्टो ने दिया ज्यादा रिटर्न?

पिछले 24 घंटे में रिटर्न के मामले में एक क्रिप्टो ने अच्छी-अच्छी क्रिप्टोकरेंसी को पीछे छोड़ दिया है। इसका नाम कास्पा है। 24 घंटे में इसका रिटर्न 16 फीसदी से ज्यादा रहा है। मंगलवार सुबह 11 बजे यह क्रिप्टो 0.04813 डॉलर (करीब 4.29 रुपये) पर कारोबार कर रही थी।

अरबपतियों की लिस्ट में भारी उथल-पुथल, लैरी पेज बने दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी शेयर बाजारों में सोमवार को टेक शेयरों में आए तेजी के तूफान का असर अमेरिकी अरबपतियों के नेटवर्थ पर दिखा। टेक बिलेनियर्स पर डॉलर की ऐसी बारिश हुई की अरबपतियों की लिस्ट में उथल-पुथल मच गई।

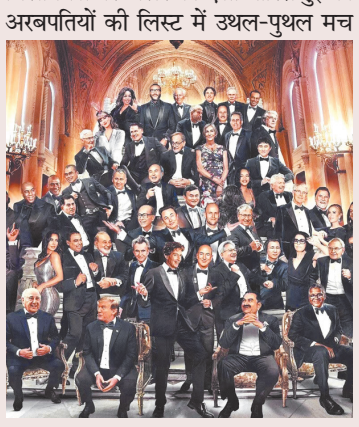

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर लैरी पेज आ गए हैं। गूगल शेयर 6 प्रतिशत से अधिक उछलकर 318.57 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गए। इसका फायदा लैरी पेज को मिला।जेफ बेजोस चौथे से पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं और वॉरेन बफे ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के टॉप-10 से बाहर हो गए हैं।

सोमवार को एक झटके में ही दुनिया के टॉप-10 अरबपतियों में से 9 की संपत्ति में करीब 65 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। ये सभी अरबपति अमेरिका के हैं और टेक बिजनेस से जुड़े हैं।

सबसे बड़ा फायदा एलन मस्क को- सबसे बड़ा फायदा एलन मस्क को हुआ। टेस्ला के शेयर में 6 फीसद से अधिक की उड़ान से उनकी संपत्ति एक ही दिन में 19.1 अरब डॉलर बढ़ गई। इस उछाल के साथ ही एक बार फिर मस्क इस साल के टॉप गेनर्स की लिस्ट में आ गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक अब उनकी दौलत 441 अरब डॉलर हो गई है।

6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी इकोनॉमी! इनकम टैक्स और जीएसटी कटौती से बूस्ट के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि टैक्स कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। भारत का

वास्तविक जीडीपी चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से जून अवधि में पांच तिमाहियों में सबसे तेज 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि अनुमानों के आधिकारिक आंकड़े 28 नवंबर को जारी होने वाले हैं। एसएंडपी ने अपनी 'इकोनॉमिक आउटलुक एशिया-पैसिफिक रिपोर्ट' में कहा, ''हमारा अनुमान है कि भारत की जीडीपी वित्त वर्ष 2025-26 (मार्च 2026 को समाप्त) में 6.5 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जिसमें जोखिम दोनों ओर संतुलित होंगे। अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के बावजूद मजबूत खपत से प्रेरित घरेलू वृद्धि मजबूत बना हुई है।''

आयकर कटौती का है असर- एसएंडपी ने कहा, ''माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी। इन बदलावों से चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का एक बड़ा चालक बन सकता है।''

विदेशी सिम से 90 दिन में आईफोन-17 एक्टिव करने पर भारी जुर्माना; ग्रे मार्केट पर एपल का बड़ा शिकंजा

नई दिल्ली, एजेंसी। एपल के आधिकारिक वितरकों ने भारतीय मोबाइल फोन रिटेलरों को चेतावनी दी है। इसमें कहा है, अगर नए आईफोन, खासकर आईफोन-17 सीरीज को खरीद के 90 दिनों के भीतर विदेशी सब्सक्राइबर आइडेंटिटी मॉड्यूल (सिम) कार्ड से सक्रिय किए गए तो उन्हें भारी जुर्माना देना होगा। इसका उद्देश्य फोनों को अवैध रूप से ग्रे मार्केट में भेजने से रोकना है।

हालांकि जुर्माने की सटीक राशि स्पष्ट नहीं है। लेकिन एपल की नीतियों के अनुसार, ऐसे मामलों में खुदरा विक्रेता का स्टोर कोड ब्लॉक हो सकता है। इसका उद्देश्य रूस, अफ्रीका और मध्य पूर्व जैसे उच्च लाभ वाले बाजारों में आईफोन के निर्यात को रोकना है। इस ग्रे मार्केट के कारण भारत में आपूर्ति में कमी आ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्टोरों से आईफोन-17 मॉडल तेजी से गायब हो रहे हैं, क्योंकि खुदरा विक्रेता बड़ी मात्रा में विदेशी बाजारों में फोन भेज रहे हैं जहां लाभ मार्जिन अधिक है।

कुल आईफोन निर्यात का 3 से 5 प्रतिशत अनौपचारिक माध्यमों से आता है। इसका आधा हिस्सा रूस जाता है। यहां एपल ने यूक्रेन युद्ध के बाद परिचालन बंद कर दिया था। अकेले अक्तूबर में ही एपल का आईफोन निर्यात 1.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो भारत के कुल स्मार्टफोन निर्यात का एक-तिहाई है। इसके चलते भारत में आईफोन की भारी कमी हो गई है, खासकर 256जीबी और 512जीबी स्टोरेज वाले आईफोन-17 मॉडल्स की। एपल ने नई आईफोन-17 सीरीज पर कैशबैक ऑफर को पहले के 6,000 से घटाकर अब 1,000 रुपये कर दिया है। इससे खरीदारों के लिए फोन और महंगे हो गए हैं।

त्योहारी सीजन के ठीक बाद एपल ने कई मॉडलों की छूट में भारी कमी कर दी थी। इसका मतलब कि अब ग्राहकों को नए आईफोन के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी। फ्लिपकार्ट व अमेजन समेत ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही रिटेलर्स के पास सीमित स्टॉक है। कई स्टोर मालिकों ने पुष्टि की है कि बेस मॉडल या तो पूरी तरह बिक चुके हैं या बहुत कम संख्या में उपलब्ध हैं। ब्यूरोई दिल्ली।

घरेलू भाव से ज्यादा है निर्यात मूल्य

सीईओ टिम कुक ने भी हाल में कहा था, भारी मांग के कारण कंपनी को कई मॉडल की कमी का सामना करना पड़ रहा है। भारत में आईफोन-17 की कीमत 82,900 रुपये है। लेकिन निर्यात मूल्य 88,500 रुपये तक पहुंच जाता है, जो अधिकतम खुदरा मूल्य से भी अधिक है। विदेश से आने वाले आईफोन अक्सर 4,000-5,000 रुपये मूल्य के अतिरिक्त सामान के साथ आते हैं। हालांकि, विदेशी ग्रे मार्केट में बदलाव सिर्फ एपल जैसी महंगी कंपनियों तक ही सीमित नहीं है। सैमसंग के कई गैलेक्सी डिवाइस भी गैर-प्राथमिकता वाले बाजारों में भी भेजे जाते

एपल के आधिकारिक वितरकों ने भारतीय मोबाइल फोन रिटेलरों को चेतावनी दी है। इसमें कहा है, अगर नए आईफोन, खासकर आईफोन-17 सीरीज को खरीद के 90 दिनों के भीतर विदेशी सब्सक्राइबर आइडेंटिटी मॉड्यूल (सिम) कार्ड से सक्रिय किए गए तो उन्हें भारी जुर्माना देना होगा। इसका उद्देश्य फोनों को अवैध रूप से ग्रे मार्केट में भेजने से रोकना है।

हालांकि जुर्माने की सटीक राशि स्पष्ट नहीं है। लेकिन एपल की नीतियों के अनुसार, ऐसे मामलों में खुदरा विक्रेता का स्टोर कोड ब्लॉक हो सकता है। इसका उद्देश्य रूस, अफ्रीका और मध्य पूर्व जैसे उच्च लाभ वाले बाजारों में आईफोन के निर्यात को रोकना है। इस ग्रे मार्केट के कारण भारत में आपूर्ति में कमी आ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्टोरों से आईफोन-17 मॉडल तेजी से गायब हो रहे हैं, क्योंकि खुदरा विक्रेता बड़ी मात्रा में विदेशी बाजारों में फोन भेज रहे हैं जहां लाभ मार्जिन अधिक है।

कुल आईफोन निर्यात का 3 से 5 प्रतिशत अनौपचारिक माध्यमों से आता है। इसका आधा हिस्सा रूस जाता है। यहां एपल ने यूक्रेन युद्ध के बाद परिचालन बंद कर दिया था। अकेले अक्तूबर में ही एपल का आईफोन निर्यात 1.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो भारत के कुल स्मार्टफोन निर्यात का एक-तिहाई है।

इसके चलते भारत में आईफोन की भारी कमी हो गई है, खासकर 256जीबी और 512जीबी स्टोरेज वाले आईफोन-17 मॉडल्स की। एपल ने नई आईफोन-17 सीरीज पर कैशबैक ऑफर को पहले के 6,000 से घटाकर अब 1,000 रुपये कर दिया है। इससे खरीदारों के लिए फोन और महंगे हो गए हैं। त्योहारी सीजन के ठीक बाद एपल ने कई मॉडलों की छूट में भारी कमी कर दी थी। इसका मतलब कि अब ग्राहकों को नए आईफोन के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी।

ज्वालामुखी की राख में छिपा है खजाना, एक मेटल ऐसी जिसकी कीमत सोने से दोगुनी

नई दिल्ली, एजेंसी। इथियोपिया के ज्वालामुखी हेली गुब्बी की राख भारत तक आ गई है। यह ज्वालामुखी 12 हजार साल बाद रविवार को अचानक फट गया था। इसकी राख लाल सागर पार करते हुए यमन और ओमान के बाद इथियोपिया से 4300 किमी दूर दिल्ली के आसमान पर भी छा गई है। ज्वालामुखी का गुबार देश के कई राज्यों के आसमान पर फैल गया है। इसे देखते हुए कई एयरलाइंस ने अपनी फ्लाइट्स रद्द कर दी हैं। ज्वालामुखी की राख जहां सेहत के लिए हानिकारक होती है तो वहीं इसमें खजाना छिपा होता है।

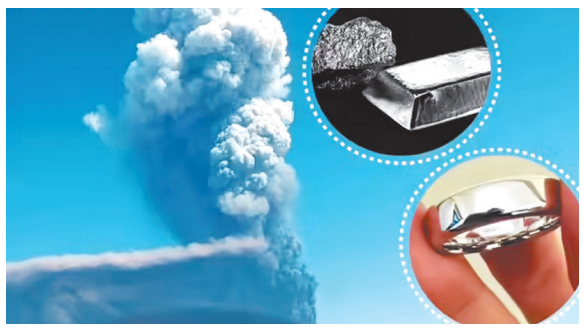

दरअसल, ज्वालामुखी की राख में कई महत्वपूर्ण खनिज होते हैं। वहीं इसमें एक धातु तो ऐसी है जिसकी कीमत सोने से दोगुनी है और धरती पर बहुत कम पाई जाती है। इसका नाम रोडियम है। ज्वालामुखी की राख में सोने और चांदी के साथ एल्यूमीनियम, आयरन, कॉपर, जिंक, निकिल आदि मेटल भी होती हैं। हालांकि ज्वालामुखी की राख में यह कोई भी मेटल मुक्त अवस्था में नहीं पाई जाती। लेकिन राख को प्रोसेस किया जाए तो इन मेटल का अलग किया जा सकता है।

ये मेटल छिपी हैं राख में

ज्वालामुखी की राख मुख्य रूप से सिलिकेट खनिजों से बनी होती है। इसमें कई तरह की मेटल पाई जाती है। इनमें आयरन, मैग्नीशियम, पोटेशियम, लेड, कैडमियम, आर्सेनिक, कॉपर आदि प्रमुख हैं। इनके अलावा इसमें सोने और चांदी की भी कुछ मात्रा मौजूद होती है। हालांकि राख में कौन सी धातु कितनी मात्रा में होगी, यह ज्वालामुखी की मैग्मा केमिस्ट्री और विस्फोट के प्रकार पर निर्भर करता है। ज्वालामुखी की राख में दुनिया की सबसे महंगी धातुओं में शामिल रोडियम भी पाई जाती है। हालांकि यह राख में विभिन्न मेटल के साथ मिली होती है जिसे अलग करना यानी प्रोसेस करना काफी मुश्किल भरा काम होता है। इसका इस्तेमाल ज्वेलरी बनाने और ज्वेलरी को चमकाने में भी किया जाता है।

आईपीओ खुलने से पहले ही 57 प्रतिशत पहुंच गया जीएमपी

● ग्रे मार्केट में दहाड़ रहा यह शेयर, पहले ही दिन कर सकता है मालामाल

नई दिल्ली, एजेंसी। एक और कंपनी का आईपीओ खुलने जा रहा है। यह कंपनी एक्साटो टेक्नोलॉजीज है। कंपनी का आईपीओ 28 नवंबर से दांव लगाने के लिए खुलेगा। आईपीओ लने से पहले ही एक्साटो टेक्नोलॉजीज के शेयर ग्रे मार्केट में दहाड़ रहे हैं। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में अभी से 57 पर्सेंट से ज्यादा के प्रीमियम के साथ कारोबार कर रहे हैं। एक्साटो टेक्नोलॉजीज का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 2 दिसंबर तक खुला रहेगा। कंपनी के पब्लिक इश्यु का टोटल साइज 37.45 करोड़ रुपये तक का है।

एक्साटो टेक्नोलॉजीज के आईपीओ में शेयर का दाम 140 रुपये है। वहीं, ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 80 रुपये के प्रीमियम के साथ ट्रेड कर रहे हैं। अगर मौजूदा ग्रे मार्केट प्रीमियम के हिसाब से देखें तो एक्साटो टेक्नोलॉजीज के शेयर 220 रुपये पर बाजार में लिस्ट हो सकते हैं। कंपनी के शेयर शुक्रवार 5 दिसंबर 2025 को लिस्ट हो सकते हैं। एक्साटो टेक्नोलॉजीज के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के स्मॉल प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। कंपनी के आईपीओ में शेयरों का अलॉटमेंट 3 दिसंबर को फाइनल हो सकता है। एक्साटो टेक्नोलॉजीज के प्रमोटर अपूर्व के सिन्हा और स्वाति सिन्हा हैं।

भारतीय परिवारों के खर्च का तरीका बदला

रोजमर्रा की जरूरतों से आगे बढ़कर संपत्ति बनाने पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय परिवार अपने खर्च की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रहे हैं। प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद की ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार अब घर-घर में बजट केवल रोजमर्रा की जरूरतों पर नहीं, बल्कि लंबे समय में उपयोगी साबित होने वाले सामानों पर भी केंद्रित होने लगा है।

बुनियादी जरूरतों की तुलना में इन सामानों पर खर्च बढ़ा - रिपोर्ट के मुताबिक कपड़े और जूते-चप्पलों जैसी बुनियादी जरूरतों की तुलना में पर्सनल गुड्स और खाना पकाने व घरेलू उपकरणों पर खर्च बढ़ा है। खास बात यह है कि यह रुझान केवल उच्च आय वर्ग में ही नहीं, बल्कि निचले 40 प्रतिशत आय वाले परिवारों में भी साफ दिखाई दे रहा है। इसमें कहा गया है कि यह बढ़ती जागरूकता, बेहतर वित्तीय पहुंच और मजबूत बाजार कनेक्टिविटी से प्रेरित है। यह उत्पादकता स्तर और जीवन स्तर में सुधार के लिए महत्वपूर्ण संकेत देता है।

मोटर व्हीकल ओनरशिप देश में सभी टिकाऊ परिसंपत्ति में सबसे तेज

हाउसहोल्ड कंजम्पशन एक्सपेंडिचर सर्वे 2011-12 और 2023-24 के तुलनात्मक विश्लेषण से पता चला कि मोटर व्हीकल ओनरशिप देश में सभी टिकाऊ परिसंपत्तियों में सबसे तेजी से बढ़ रहा है। रिपोर्ट बताती है कि वाहन स्वामित्व में यह बढ़ोतरी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच तेजी से घटती खाई को भी दर्शाती है। यह रुझान न केवल कुल आबादी में, बल्कि निचले 40 प्रतिशत आय वाले परिवारों में भी समान रूप से दिखाई दे रहा है। खासकर शहरी इलाकों में नीचे के आय वर्ग ने व्यापक आबादी के साथ उल्लेखनीय तालमेल बिठाया है। विशेषज्ञों के अनुसार, बेहतर सड़क अवसंरचना, बढ़ता बाजार संपर्क और वाहनों की आसान फाइनेंसिंग जैसी सुविधाएं इस तेज वृद्धि के प्रमुख कारण हैं।

सर्वे में मोटर व्हीकल, रेफ्रिजरेटर, टेलीविजन और मोबाइल हैंडसेट, इन चार प्रमुख टिकाऊ संपत्तियों पर किए गए विश्लेषण में पाया गया इन सामानों को रखने में लोगों के बीच का फर्क तेजी से कम हो रहा है। खासकर शहरी इलाकों में, अमीर और गरीब घरों के बीच इन चीजों के स्वामित्व का अंतर पहले की तुलना में बहुत तेजी से घटा है।

टेलीविजन स्वामित्व में आई गिरावट

सर्वे के अनुसार जहां मोटर वाहन और अन्य टिकाऊ वस्तुओं की खरीद तेजी से बढ़ी है, वहीं टेलीविजन स्वामित्व में वृद्धि कहीं अधिक धीमी रही है। कई राज्यों के शहरी इलाकों में तो टीवी रखने वाले परिवारों की संख्या कुल आबादी और निचले 40 प्रतिशत आय समूह दोनों में घटती दिखाई दी है।

मोबाइल फोन ले रही टीवी की जगह

रिपोर्ट के अनुसार, मोबाइल फोन की लगभग सार्वभौमिक पहुंच ने उपभोग की आदतों को बड़े पैमाने पर बदल दिया है। अब सूचना और मनोरंजन के प्राथमिक माध्यम के रूप में मोबाइल टीवी की जगह ले रही है।

एप्पल के सेल्स कर्मचारियों की छंटनी, अंतिम विकल्प के लिए 20 जनवरी तक का अल्टीमेटम

नई दिल्ली, एजेंसी। आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल ने अमेरिका में अपने दर्जनों सेल्स डिपार्टमेंट के कर्मचारियों की नौकरियां खत्म की हैं। टेक कंपनियों के लिए यह एक दुर्लभ घटना मानी जा रही है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी अपने उन तरीकों की समीक्षा और सुधार कर रही है, जिनसे वह व्यवसायों, सरकारों और स्कूलों को अपने उत्पाद बेचती है। एक प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यह सेल्स टीम में एक ÷फेरबदल÷ है, ताकि ज्यादा ग्राहकों तक पहुंचा जा सके। हालांकि, उन्होंने कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी।

रिपोर्ट के मुताबिक, पूरी संगठन में सेल्स के दर्जनों कर्मचारी प्रभावित हुए हैं, कुछ टीमों को ज्यादा नुकसान हुआ है। प्रभावित कर्मचारियों में स्कूलों, सरकारी एजेंसियों और बड़े व्यवसायों के लिए काम करने वाले अकाउंट मैनेजर, साथ ही संस्थागत ग्राहकों की मीटिंग और उत्पाद प्रदर्शन के लिए बने एप्पल के ब्रीफिंग सेंटर के स्टाफ शामिल हैं।

छंटनी पर हैरानी- जिन लोगों पर असर पड़ा, उनमें से कई हैरान थे, क्योंकि एप्पल उन बहुत कम टेक कंपनियों में से एक है जो कभी नौकरियां कम

करती है। और यह फैसला तब आया है जब कंपनी ने रिकॉर्ड-हाई रेवेन्यू कमाया है और सफल प्रोडक्ट लॉन्च की वजह से दिसंबर तिमाही में 140 बिलियन के करीब पहुंचने की राह पर है। इस कटौती में लंबे समय से मैनेजर रहे लोग और कुछ मामलों में, ऐसे कर्मचारी शामिल थे, जो एप्पल के साथ 20 या 30 साल से हैं।

छंटनी का एक बड़ा टारगेट- एक सरकारी सेल्स टीम जो र डिफेंस डिपार्टमेंट और जस्टिस डिपार्टमेंट जैसी एजेंसियों के साथ काम करती है। वह टीम 43 दिन के र गवर्नमेंट शटडाउन और डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी, या डाग, जिसने खर्च कम करने की कोशिश की है, द्वारा की गई कटौतियों के बाद पहले से ही मुश्किल हालात का सामना कर रही थी।

तकनीक जगत में चल रही है छंटनी की लहर - एप्पल के इस कदम के बीच पूरे तकनीकी उद्योग में छंटनी जारी है। इसी महीने अमेजन ने 14,000 से अधिक और मेटा ने अपने द्व संगठन में कई सौ भूमिकाएं खत्म करने की घोषणा की है।

क्या छंटनी हुए कर्मचारियों के पास कोई विकल्प है?

जिन कर्मचारियों की नौकरियां चली गई हैं, उनके पास 20 जनवरी तक कंपनी के भीतर कोई दूसरी नौकरी ढूंढने का मौका है। अगर वे ऐसा नहीं कर पाते, तो उन्हें छंटनी पैकेज मिलेगा। एप्पल अपनी वेबसाइट पर नई सेल्स की नौकरियां भी पोस्ट कर रहा है, जिनके लिए प्रभावित कर्मचारी आवेदन कर सकते हैं।

एप्पल में छंटनी को आखिरी विकल्प क्यों कहा जाता है?

एप्पल का रवैया अन्य टेक कंपनियों के मुकाबले छंटनी को लेकर अलग रहा है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम कुक ने पहले कहा है कि छंटनी उनके लिए आखिरी विकल्प है। हालांकि, कंपनी समय-समय पर कुछ भूमिकाएं खत्म करती रही है, खासकर जब कोई प्रोजेक्ट बंद होता है, जैसे कि हाल ही में स्व-चालित कार प्रोजेक्ट।

म्यूचुअल फंड की चिल्ड्रन स्कीमें दे रहीं 15 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न

तेजी के समय इक्विटी में बढ़ता है योगदान

नई दिल्ली, एजेंसी। छोटे बच्चे के सपनों को साकार करने के लिए बच्चे का आर्थिक भविष्य संवारना अक्सर भारी-भरकम काम लगता है। पढ़ाई का खर्च बढ़ रहा है। बच्चों के सपने बदल रहे हैं। उनके बड़े लक्ष्यों के लिए लगातार लंबे समय तक तैयारी करनी होती है।

म्यूचुअल फंड की चिल्ड्रन स्कीमें सालाना 15 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दे रही हैं। इसके जरिये बच्चों का भविष्य संवारने में मदद मिल सकती है। चिल्ड्रन स्कीमों में अनुशासित निवेश का तरीका व लंबे समय में बेहतर बढ़त की संभावना दोनों मिलते हैं। इनमें पांच साल का लॉक-इन होता है, या फिर जब बच्चा बालिग हो जाए, जो भी पहले हो। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल चिल्ड्रन फंड का लंबा और भरोसेमंद रिकॉर्ड रहा है। इसकी योजना की खासियत इसका बदलते हालात के मुताबिक ढलने वाला निवेश तरीका है।

क्रिकेटर शेफाली वर्मा ने खरीदी एमजी साइबरस्टर, कीमत 75 लाख

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2025 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली स्टार खिलाड़ी शेफाली वर्मा ने इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स कार स्त्र साइबरस्टर खरीदी है। शेफाली ने साइबरस्टर का 'एंडीज ग्रे' कलर चुना है, जो रेड कलर के कन्वर्टिबल रूफ के साथ आता है। इलेक्ट्रिक रोडस्टर की कीमत 75 लाख रुपए (एक्स-शोरूम कीमत, पैन इंडिया) है। ये भारत की पहली इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स कार है, जो फुल चार्ज में 520किमी चलती है। कंपनी का दावा है कि साइबरस्टर 3.2 सेकेंड में 0-100किमी की रफ्तार पकड़ सकती है।

क्रिकेट ग्राउंड पर डिलीवरी इवेंट हुआ, जहां शेफाली ने रेड कार्पेट पर कार को रिबन काटकर रिसीव किया। एमजी इंडिया ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया, जिसमें शफाली कार के केबिन को एक्सप्लोर करती नजर आ रही हैं।

मां बोली- बेटा पलाश-बहू दोनों इमोशनल स्ट्रेस में

- पलक मुछाल ने इंस्टाग्राम पर लिखा- स्मृति के पिता की तबीयत के कारण शादी रुकी

इंदौर (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की वाइस कैप्टन स्मृति मंधाना की शादी 23 नवंबर को सांगली में इंदौर के पलाश मुछाल से होनी थी, लेकिन स्मृति के पिता की तबीयत खराब होने के वजह से यह शादी अचानक से टाल दी गई। मंगलवार सुबह पलाश मुछाल की बहन और सिंगर पलक मुछाल को मुंबई के एसआरवी हॉस्पिटल के बाहर स्पॉट किया गया है। वह हॉस्पिटल किस लिए गई हैं, इसकी आधिकारिक जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। इधर, स्मृति के पिता को अभी तक हॉस्पिटल से छुट्टी नहीं मिली है।

मां बोली- स्ट्रेस के कारण पलाश की तबीयत बिगड़ी

पलाश की मां अमिता ने एक न्यूज चैनल को बताया कि पलाश स्मृति के पिता के बहुत करीब थे। इस कारण वह शादी की रस्में नहीं कर पाए। पिता के लिए इतना रोए कि पलाश की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्हें चार घंटे तक हॉस्पिटल में रखा गया। आईवी ड्रिप दी गई, ईसीजी किया गया और दूसरे टेस्ट किए गए। सब कुछ नॉर्मल आया, लेकिन वह बहुत स्ट्रेस में हैं। पलाश और स्मृति दोनों ही इस समय काफी इमोशनल स्ट्रेस में हैं।

गुवाहाटी टेस्ट

549 रन का असंभव लक्ष्य

भारत पर क्लीन स्वीप का खतरा

- चौथे दिन साउथ अफ्रीका ने कसा शिकंजा, भारत की हालत खस्ता 2 विकेट पर 27 रन

यशस्वी के टेस्ट क्रिकेट में 2500 रन पूरे

गुवाहाटी टेस्ट में भारत पर हार का खतरा बढ़ता दिख रहा है। बरसापारा स्टेडियम में यशस्वी जायसवाल सबसे तेज 2500 टेस्ट रन बनाने वाले चौथे भारतीय बन गए। वहीं प्रोटियाज ने भारत की सरजमीं पर अब तक का सबसे बड़ा टारगेट देकर दबाव और बढ़ा दिया। मैच के दौरान पेसर मोहम्मद सिराज फील्डिंग करते हुए चोटिल भी हो गए, जिसके बाद उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा।

गुवाहाटी (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी टेस्ट में भारतीय टीम पर हार और क्लीन स्वीप का खतरा मंडरा रहा है। जीत के लिए 549 रन के असंभव से टारगेट के जवाब में भारत ने चौथे दिन स्टंप्स तक 2 विकेट खोकर सिर्फ 27 रन बनाए हैं। साई सुदर्शन और कुलदीप यादव नाबाद लौटे। ओपनर यशस्वी जायसवाल 13 और केएल राहुल 6 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले साउथ अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी 260/5 के स्कोर पर समाप्त घोषित कर दी। साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 489 रन बनाए थे। जवाब में भारत की पहली पारी 201 रन सिमट गई थी। इस तरह भारत को टेस्ट जीतने के लिए 549 रन का टारगेट मिला। साउथ अफ्रीका ने पहला टेस्ट मैच 30 रन से जीता था। अगर टीम गुवाहाटी टेस्ट भी जीत लेती है तो वह भारत के खिलाफ भारत में 25 साल बाद सीरीज जीतने और क्लीन स्वीप करने में कामयाब होगी। साउथ अफ्रीका ने साल 2000 में भारत को दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-0 से हराया था। अब मैच के पांचवां और आखिरी दिन का खेल बुधवार को सुबह 9 बजे से शुरू होगा।

- **जडेजा साउथ अफ्रीका के खिलाफ 50+ टेस्ट विकेट लेने वाले पांचवें भारतीय** - रवींद्र जडेजा साउथ अफ्रीका के खिलाफ 50+ टेस्ट विकेट लेने वाले पांचवें भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले अनिल कुंबले, जवागल श्रीनाथ, हरभजन सिंह और रविचंद्रन अश्विन यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। इस लिस्ट में कुंबले सबसे ऊपर हैं, जिन्होंने प्रोटियाज के खिलाफ 84 विकेट लिए। श्रीनाथ 64 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं, जबकि हरभजन सिंह ने 60 और अश्विन ने 57 विकेट झटके हैं। अब जडेजा भी 52 विकेट के साथ इस क्लब में शामिल हो गए हैं। खास बात यह है कि उनका औसत (19.6) लिस्ट में सबसे बेहतर है। जडेजा साउथ अफ्रीका के खिलाफ 50+ टेस्ट विकेट लेने वाले दूसरे लेफ्ट-आर्म स्पिनर भी हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग-इलेवन

भारत - यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (कप्तान/विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, नीतीश रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

साउथ अफ्रीका- ऐडन मार्करम, रायन रिकेल्टन, वियान मुल्डर, टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी जॉर्जी, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरिने (विकेटकीपर), साइमन हार्मर, केशव महाराज, मार्को यानसन, सेनुरन मुथुसामी।

रिकल्टन और मार्कराम ने गुवाहाटी टेस्ट में रचा नया कीर्तिमान

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के चौथे दिन का खेल पूरी तरह मेहमान टीम के नाम रहा। प्रोटियाज़ ने 400 से अधिक की विशाल बढ़त हासिल कर भारत पर दबाव बढ़ा दिया

है। दूसरी इनिंग में रयान रिकेल्टन और एडेन मार्करम ने शानदार ओपनिंग साझेदारी करते हुए एक दुर्लभ उपलब्धि हासिल की। इस जोड़ी ने न केवल मैच में दूसरी बार पचास से अधिक की पार्टनरशिप की, बल्कि इतिहास में सिर्फ चौथी साउथ अफ्रीकी ओपनिंग जोड़ी बनी जिसने भारत में दोनों पारियों में 50+ रन जोड़े।

स्मिथ-गिब्स जैसी महान जोड़ियों की सूची में शामिल - रिकेल्टन और मार्करम का नाम अब साउथ अफ्रीका की उन खास जोड़ियों में शामिल हो गया है, जिन्होंने भारत में दोनों इनिंग में पचास से अधिक की ओपनिंग पार्टनरशिप की हो। उनसे पहले सिर्फ तीन जोड़ियां यह कारनामा कर पाई थीं।

- रिकेल्टन-मार्करम की शानदार जोड़ी ने रचा नया कीर्तिमान - दूसरी पारी में रयान रिकेल्टन और एडेन मार्करम ने बेहतरीन शुरुआत देते हुए 59 रन की साझेदारी की। यह उपलब्धि इसलिए खास है क्योंकि इस मैच की पहली पारी में भी दोनों ने 82 रन की मजबूत ओपनिंग स्टैंड बनाई थी। इस तरह यह जोड़ी भारत में दोनों इनिंग में 50+ रन जोड़ने वाली सिर्फ चौथी साउथ अफ्रीकी ओपनिंग जोड़ी बन गई।

प्रीमियर लीग- गुए ने साथी खिलाड़ी कीन को थप्पड़ मारा, रेड कार्ड मिला

एवर्टन ने 10 प्लेयर्स के साथ यूनाइटेड को 1-0 से हराया

मैनचेस्टर (एजेंसी)। एवर्टन ने प्रीमियर लीग में सोमवार को मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हरा दिया। मुकाबला ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में खेला गया। यूनाइटेड को 12 साल बाद पहली बार अपने घर में एवर्टन से हार झेलनी पड़ी। मैच के दौरान एक बड़ी घटना हुई। एवर्टन के इद्रिसा गुए ने अपने ही साथी खिलाड़ी माइकल कीन को पास सही से कलेक्ट न करने पर थप्पड़ मार दिया। इसके बाद रेफरी ने उन्हें रेड कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया। एवर्टन को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा, इसके बावजूद टीम ने जीत दर्ज की। बाद में गुए ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कीन से माफी भी मांगी।

विवाद 13वें मिनट में शुरू हुआ - 13वें मिनट में एवर्टन के पेनल्टी बॉक्स में गुए ने कीन को पास दिया, लेकिन कीन उसे कलेक्ट नहीं कर सके। इससे गुए गुस्से में आ गए। इसी दौरान यूनाइटेड के ब्रूनो फर्नांडिस का शॉट बाहर गया और कीन ने गुए को धक्का दे दिया। जवाब में गुए ने कीन के चेहरे पर थप्पड़ मार दिया। रेफरी टोनी हैरिंगटन ने तुरंत रेड कार्ड दिखाया। लीग ने सोशल मीडिया पर बताया कि वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) ने इस फैसले की समीक्षा कर पुष्टि की कि यह चेहरे पर साफ हमला था।

गुए को रेड कार्ड मिला - ऐसी घटना प्रीमियर लीग में बहुत कम होती है। गुए 2008 के बाद पहले खिलाड़ी बने जिन्हें अपने ही साथी से लड़ाई के लिए रेड कार्ड मिला। उस समय स्टोक सिटी के रिकार्डो फुलर को एंडी ग्रिफिन से झगड़े के लिए बाहर किया गया था।

29वें मिनट में एवर्टन की ओर से गोल - गुए के बाहर जाने के बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद एवर्टन ने 29वें मिनट में गोल कर बढ़त बना ली। किर्नन ड्यूस्बरी-हॉल ने 18 मीटर से शानदार शॉट मारकर गोल किया। दूसरे हाफ में मैनचेस्टर यूनाइटेड ने मैच पर दबाव बनाया और कुल 25 शॉट लिए, जबकि एवर्टन के सिर्फ 3 शॉट थे।

भारतीय विमेंस टीम लगातार दूसरी बार कबड्डी वर्ल्ड चैंपियन

- फाइनल में चीनी ताइपे को 35-28 से हराया; टूर्नामेंट में सभी मैच जीते

ढाका (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम ने लगातार दूसरा कबड्डी वर्ल्ड कप जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में भारत ने चीनी ताइपे को 35-28 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पूरी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाली छत्तीसगढ़ की रेडर संजू देवी को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। ढाका में खेले गए फाइनल में टीम शुरुआत से ही पूरी तरह हावी नजर आई। भारत ने पहली बार 2012 में ईरान को हराकर वर्ल्ड कप जीता था। खास बात यह है कि टीम ने वर्ल्ड कप के दोनों सीजन 2012 और 2025 में अपने सभी 12 मैच जीते हैं।

संजू देवी ने पहले ही रेड में बढ़त दिलाई - ढाका के शहीद सुहारावर्दी इंडोर स्टेडियम में हुए मुकाबले में टॉस चीनी ताइपे ने जीता और भारत को पहली रेड का मौका मिला। संजू देवी ने शुरुआत की रेड में ही टीम को बढ़त दिला दी। ताइपे ने बोनस लेकर जवाब दिया, लेकिन पूनम और सोनाली के टैकल्स ने भारत की पकड़ और मजबूत कर दी।

12वें मिनट में संजू ने 4 पॉइंट्स की रेड की

12वें मिनट में संजू ने चार खिलाड़ियों को आउट कर मैच की तस्वीर बदल दी और भारत 13-12 से आगे हो गया। ताइपे की ह्वांग सु-चिन ने फर्क कम रखने की कोशिश की, लेकिन संजू की दो अंकों की रेड और फिर ऑल आउट ने भारत को 17-14 की बढ़त दिलाई। हाफ टाइम तक भारत 20-16 से आगे था।

दूसरे हाफ में डिफेंस ने शानदार काम किया

दूसरे हाफ की शुरुआत ताइपे ने बोनस पॉइंट से की, लेकिन पुष्पा की तीन अंकों की रेड ने भारत की बढ़त फिर बढ़ा दी। ताइपे ने रेड और टैकल से वापसी का प्रयास किया और स्कोर 25-22 तक लाया, लेकिन भारत की संतुलित रेडिंग और मजबूत डिफेंस ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया। अंत के चार मिनट में ताइपे ने सुपर टैकल कर अंतर 30-26 तक जरूर कम किया, लेकिन भारत ने फिर मैच पर पकड़ मजबूत करते हुए एक और ऑलआउट किया। तय समय के बाद भारत 35-28 से विजेता रहा।

शहडोल के 'मिनी ब्राजील' पहुंचे जर्मन कोच डाइटमार बीयर्सडॉर्फ

- विचारपुर में खिलाड़ियों से मिले, बोले- यहां के बच्चे विदेशों में अपनी पहचान बना रहे

शहडोल (एजेंसी)। शहडोल जिले के विचारपुर, को 'मिनी ब्राजील' के नाम से जाना जाता है। सोमवार को वहां जर्मनी के प्रतिष्ठित फुटबॉल क्लब एफसी इंगोलस्टेड के कोच डाइटमार बीयर्सडॉर्फ पहुंचे। इस दौरान उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कोच बीयर्सडॉर्फ ने विचारपुर के युवा खिलाड़ियों के अभिभावकों से मुलाकात कर उनके योगदान की सराहना की और उन्हें प्रेरित किया।

अभिभावकों से मुलाकात कर सराहना की - कोच बीयर्सडॉर्फ ने 5 से 12 अक्टूबर तक जर्मनी में प्रशिक्षण लेने वाले खिलाड़ियों वीरेंद्र बैगा, लक्ष्मी सहीस और सानिया कुंडे के घर का दौरा किया। उन्होंने कहा, एक छोटे से गांव से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहुंचना बड़ी उपलब्धि है। विचारपुर के खिलाड़ी सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी अपनी पहचान बना रहे हैं। अभिभावकों ने पारंपरिक भारतीय शैली में हाथ जोड़कर जर्मन कोच का स्वागत किया और अपने बच्चों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसर देने के लिए क्लब और कोच का धन्यवाद किया।

टी20 वर्ल्ड कप : 15 फरवरी को होगा भारत-पाकिस्तान मैच, कोलंबो में होगा महा मुकाबला

नईदिल्ली (एजेंसी)। अगले साल क्रिकेट प्रशंसकों को एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के रोमांचक मुकाबले का इंतजार रहेगा, क्योंकि दोनों टीमें 15 फरवरी 2026 को कोलंबो में आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप के दौरान आमने-सामने होंगी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) मंगलवार को मुंबई में टूर्नामेंट का आधिकारिक शेड्यूल जारी करेगी। भारत का यह तीसरा ग्रुप मैच होगा जबकि टीम अपने अभियान की शुरुआत स्त्र के खिलाफ करेगी। इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले को लेकर अभी से उत्साह चरम पर है, क्योंकि हाल के वर्षों में भारत-पाकिस्तान मैच हमेशा हाई-वोल्टेज माहौल और चर्चाओं के केंद्र में रहे हैं।

15 फरवरी को कोलंबो में भारत-पाकिस्तान मुकाबला - आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा की तरह टूर्नामेंट का सबसे बड़ा आकर्षण रहेगा। दोनों टीमें 15 फरवरी को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में भिड़ेंगी। एशिया कप 2024 में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन महत्वपूर्ण मैच जीते थे और मैदान के बाहर भी कई विवादों ने सुर्खियाँ बटोरी थीं, ऐसे में इस बार का मुकाबला और भी दिलचस्प होगा। जानकारी के अनुसार, भारत और पाकिस्तान को स्त्र, नामीबिया और नीदरलैंड्स के साथ एक ही ग्रुप में रखा गया है।

भारत का ग्रुप स्टेज शेड्यूल - भारत अपने टी20 वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत 7 फरवरी को मुंबई में स्त्र के खिलाफ करेगा। यह टूर्नामेंट का पहला मैच भी होगा, जिससे इस मुकाबले की महत्ता और बढ़ जाती है। इसके बाद भारतीय टीम 12 फरवरी को नामीबिया से भिड़ने दिल्ली पहुंचेगी। टीम का आखिरी ग्रुप मैच नीदरलैंड्स के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। टूर्नामेंट के दौरान ग्रुप स्टेज में हर दिन तीन मैच खेले जाएंगे, जिससे पूरा शेड्यूल बेहद तगड़ा और उत्साहपूर्ण रहेगा।

टूर्नामेंट का फॉर्मेट और संरचना - आईसीसी ने इस बार फॉर्मेट में कोई बदलाव नहीं किया है। टूर्नामेंट में कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें चार ग्रुप में बांटा जाएगा, और हर ग्रुप में पांच टीमें होंगी। हर ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सुपर आठ चरण में प्रवेश करेंगी। सुपर आठ के दौरान टीमों को दो ग्रुप में विभाजित किया जाएगा, जहां से शीर्ष दो-दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। इस तरह फॉर्मेट खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए पर्याप्त प्रतिस्पर्धा और रोमांच प्रदान करेगा।

भारत के सुपर आठ और नॉकआउट संभावित वेन्यू - यदि भारतीय टीम सुपर आठ में जगह बनाती है, तो उसके तीन मैच अहमदाबाद, चेन्नई और कोलकाता में खेले जाएंगे। भारत का संभावित सेमीफाइनल मुंबई में निर्धारित है। दूसरा सेमीफाइनल कोलंबो या कोलकाता में होगा, जिसकी लोकेशन पाकिस्तान या श्रीलंका के क्वालिफाई करने पर निर्भर रहेगी।

संस्कृति की रंगो-महक से फिर गुलज़ार होगा 'विश्व रंग'

म.प्र. के राज्यपाल और मॉरिशस के पूर्व राष्ट्रपति27 नवंबर को करेंगे सातवें महोत्सव का शुभारंभ

चार दिन, 90 सत्र, 35 देश, 1000 प्रतिभागी

भोपाल। जाड़े की गुलाबी दस्तक के साथ एक बार फिर भोपाल की वादियाँ विश्व रंग से गुलज़ार हो रही हैं। टैगोर अन्तरराष्ट्रीय साहित्य तथा कला महोत्सव अपनी सातवीं पादान तय करता चार दिनों तक विभिन्न गतिविधियों का अनूठा ताना-बाना लिए रवीन्द्र भवन के विशाल परिसर में आयोजित होगा। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, विश्वरंग फाउण्डेशन और उसके सहयोगी केन्द्रों की पहल पर म.प्र. शासन संस्कृति विभाग सहित देश-विदेश की पचास से भी अधिक संस्थाओं की भागीदारी से यह विशाल समागम आकार ले रहा है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों के मूर्धन्य चिंतकों, विचारकों और विशेषज्ञों के साथ ही विश्व के 35 से भी अधिक देशों के प्रतिनिधि यहाँ साझा संस्कृति की मिसाल पेश करेंगे। किसी भी अशासकीय संस्था के संयोजन में होने वाला यह एशिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक कुंभ है। 27 से 30 नवंबर के दरमियान इस महोत्सव में अस्सी से भी अधिक सत्र संवाद, विचार, विमर्श और कलात्मक अभिव्यक्ति का खुला मंच साबित होंगे।

यह जानकारी विश्व रंग के महानिदेशक तथा रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे ने प्रेस वार्ता में दी। संवाददाताओं को संबोधित करते हुए श्री चौबे ने बताया कि 2019 में शुरू हुई विश्व रंग की यात्रा अपने सातवें चरण पर और भी व्यापक, विस्तृत और बहुरंगी हो गयी है। भोपाल से शुरू हुआ यह कारवाँ मॉरिशस, श्रीलंका, नई दिल्ली और मुंबई होता हुआ नई उर्जा और नए आत्मविश्वास से भरकर पुनः भोपाल लौटा है। 27 नवंबर को रंगारंग विश्व रंग शोभा यात्रा के बाद शाम 6 बजे म.प्र. के राज्यपाल माननीय मंगुभाई पटेल की गरिमामयी उपस्थिति में इस महोत्सव का शुभारंभ होगा। इस अवसर पर मॉरिशस के पूर्व राष्ट्रपति श्री पृथ्वीराज सिंह रूपन, म.प्र. के संस्कृति मंत्री श्री धर्मेन्द्र भावसिंह लोधी और रबीन्द्रनाथ टैगोर वि.वि. के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

पत्रकार वार्ता को विश्व रंग के सहनिदेशक तथा स्कोप स्किल ग्लोबल युनिव्हर्सिटी के चांसलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, आईसेक्ट ग्रुप ऑफ़ युनिव्हर्सिटी की निदेशक डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, प्रवासी साहित्य एवं संस्कृति शोध केन्द्र के निदेशक डॉ. जवाहर कर्नावट तथा टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केन्द्र के निदेशक विनय उपाध्यायऔरउपसंचालकसंस्कृतिसंचालनालय डॉपूजाशुक्ला ने भी संबोधित किया।

श्री चौबे ने बताया कि देश-दुनिया के एक हज़ार से भी अधिक भाषाविद्, साहित्यकार, शिक्षा शास्त्री, विज्ञान-तकनीकी विशेषज्ञ, आलोचक, संस्कृतिकर्मी, पर्यावरणविद् सहित मीडिया, कला, सिनेमा और मनोरंजन जगत की जानी-मानी हस्तियाँ विश्व रंग का हिस्सा बनेंगी। विरासत और आधुनिकता के इस अद्वितीय संगम में ज्ञान-विज्ञान की नई दिशाओं की ओर बढ़ते विश्व की नई इबारतों को पढ़ना दिलचस्प होगा। विश्व रंग इस अर्थ में संवाद का एक विशाल मंच तैयार कर रहा है।

विश्व रंग के सहनिदेशक डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने बताया कि इस महोत्सव की लोकप्रियता का ग्राफ उत्तरोत्तर बढ़ता गया है। सातवें संस्करण से जुड़ने के लिए विश्व रंग पोर्टल पर हज़ारों लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवा लिया है। इस आकर्षण की वजह विश्व रंग की लोकतांत्रिक छवि है। यहाँ हर पीढ़ी की रूचि, जिज्ञासा और मनोरंजन के अनुकूल गतिविधियाँ हैं। डॉ. सिद्धार्थ ने बताया कि विश्व रंग जितना पारंपरिक है उतना ही अपने नवाचार में आधुनिक भी। नए विषय और नए विशेषज्ञों की भागीदारी इसे अपने समय में प्रासंगिक बना रही है। उन्होंने फैज़ल मलिक, दिव्या दत्ता, स्वानंद किरकिरे, राधाकृष्ण पिल्लै, प्रिया मलिक, नीलोत्पल मृणाल, सौरभ द्विवेदी, देवदत्त पटनायक, सुमित अवस्थी, पुष्पेष पंत आदि का ज़िक्र करते हुए कहा कि इन शख्सियतों ने विश्व रंग के आमंत्रण को आत्मीयता से स्वीकार किया है। ये आज के युवाओं के मोटीवेटर और मेंटर हैं। विश्व रंग के बहुरंगी विन्यास की महत्वपूर्ण गतिविधियाँ साझा करते हुए सहनिदेशक डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स ने बताया कि शुभारंभ संध्या 27 नवंबर का प्रमुख आकर्षण श्रीकृष्ण लीला का भव्य मंचन है। इसे नई दिल्ली के श्रीराम कला केन्द्र के कलाकारों की बड़ी टीम लाईट एण्ड साउण्ड के स्पेशल इफेक्ट्स के साथ प्रस्तुत करेगी। समापन दिवस 30 नवंबर को राजमाता अहिल्याबाई की जीवन गाथा पर केन्द्रित महानाट्य 'अहिल्या रूपेण संस्थिता' का मंचन रवीन्द्र भवन के अंजनी सभागार में होगा। प्रयास रंग समूह नागपुर के पचास से भी अधिक कलाकारों ने इसे प्रसिद्ध रंगकर्मी प्रियंका शक्ति ठाकुर के निर्देशन में तैयार किया है। इसके अलावा जनजातीय प्रकोष्ठ 'आदिरंग' में पारंपरिक शिल्पों, नृत्य-संगीत तथा हेरीटेज फ़िल्मों- चंदेरी, गणगौर और संजा के प्रदर्शन होंगे। प्रवासी साहित्य तथा संस्कृति शोध केन्द्र के निदेशक डॉ. जवाहर कर्णावट ने 'विश्व रंग' में प्रतिभागी देशों और उनकी प्रस्तुतियों का विवरण दिया। उन्होंने बताया कि कनाडा, अमेरिका, बेल्जियम, नीदरलैंड, यूक्रेन, इटली, स्वीडन, यूके, कुवैत, म्यांमार, इंडोनेशिया, नेपाल, थाईलैंड, श्रीलंका, आर्मेनिया, रूस, जापान, बांग्लादेश, त्रिनिदाद, गयाना, इजिप्ट, ताजिकिस्तान, उज़्बेकिस्तान, वियतनाम, थाईलैंड, साउथ अफ्रीका, सूरीनाम स्लोवाक, रोमानिया, कतर आदि 35 से अधिक देशों के 60 प्रतिनिधि विश्व रंग में सम्मिलित होंगे।

आईएएस संतोष वर्मा के विरुद्ध सवर्ण अधिकारी-कर्मचारी संघर्ष मोर्चा का विरोध प्रदर्शन तेज

भोपाल। मध्य प्रदेश सवर्ण अधिकारी कर्मचारी संघर्ष मोर्चा ने मंगलवार को तुलसी नगर स्थित सेकंड स्टाफ कार्यालय के बाहर आईएएस संतोष वर्मा के विवादित बयान के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने संतोष वर्मा के फोटो पर कालिख पोतकर अपना आक्रोश जताया और राज्य सरकार से उन्हें तत्काल निलंबित कर गिरफ्तारी की मांग की।

कार्यक्रम में मोर्चा के दर्जनों पदाधिकारी–अशोक पांडे, सुनील पाठक, भूपेंद्र पांडे, सत्येंद्र पांडे, लव प्रकाश पाराशर, हरिसिंह गुर्जर, नंदलाल मालवीय, रामबाबू सोनी, भगवानदास, श्यामलाल विश्वकर्मा, नरेश कुमार, श्याम कुमार सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आरोप लगाया कि आईएएस संतोष वर्मा ने बेटियों और समाज के संबंध में अपमानजनक टिप्पणी कर अखिल भारतीय सिविल सेवा आचरण नियमों का उल्लंघन किया है। उन्होंने दावा किया कि अधिकारी पर पूर्व में भी विवादित प्रकरणों के आरोप लग चुके हैं, जिनकी जांच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संतोष वर्मा के बयान पर समाज के विभिन्न वर्गों–कर्मचारी समाज, सवर्ण समाज एवं ब्राह्मण समाज–में गहरा आक्रोश है। मोर्चा का कहना है कि राज्य सरकार को मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई कर सख्त दंड देना चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी अधिकारी या जनप्रतिनिधि इस तरह का बयान देने का साहस न कर सके। मोर्चा ने सरकार से मांग की है कि आईएएस संतोष वर्मा को निलंबित कर कानूनन आवश्यक कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया जाए।

डीआरएम ने असामान्य घटना टालने वाले 10 रेल कर्मचारियों को संरक्षा अवार्ड से किया सम्मानित

भोपाल, नप्र। मण्डल रेल प्रबन्धक श्री पंकज त्यागी द्वारा दिनांक 24 नवम्बर को ड्यूटी के दौरान सतर्कता, सूझ-बूझ एवं सजगता का परिचय देते हुए अक्टूबर एवं नवम्बर माह में संभावित असामान्य घटनाओं को टालने वाले 10 रेलकर्मियों को मंडल कार्यालय में प्रशस्ति पत्र एवं संरक्षा नगद राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित 10 रेलकमी

1. लोकेश कुमार - उप स्टेशन प्रबंधक पीलीघटा
2. रमाकान्त गुप्ता- उप स्टेशन प्रबंधक बीना
3. संतोष कुमार-उप स्टेशन प्रबंधक धरमकुंड
4. भूषण भंगालें- उप स्टेशन प्रबंधक बुधनी
5. ओम प्रकाश मीना-गुड्स ट्रेन मेनेजर बीना
6. अनुज खरे- गुड्स ट्रेन मेनेजर बीना
7. विनोद कुमार-प्वांट्समेन पीलीघटा
8. राजकुमार मीना- प्वांट्समेन पीलीघटा
9. पुष्पेन्द्र सिंह-ट्रैकमेन भोपाल (इटायाकलां)
10. धर्मेन्द्र सिंह -ट्रैकमेन भोपाल (इटायाकलां)

इन रेलकर्मियों ने अपनी सूझ-बूझ, सतर्कता एवं त्वरित कार्यवाही से गंभीर दुर्घटनाओं को रोकने का प्रशंसनीय कार्य किया है। जिसमें लोकेश ने साबरमती एक्सप्रेस में ब्रेक बाईंडिंग को खतरा हाथ सिग्नल दिखाकर संभावित खतरे से बचाया, रमाकांत ने गाडी संख्या 05325 मुम्बई स्पेशल में ए-1 कोच से असामान्य आवाज से संभावित आग के खतरे से बचाया, संतोष मालगाड़ी को हाट एक्सेल के खतरे से बचाया, भूषण ने मालगाड़ी को व्हील जाम के खतरे से बचाया, ओम प्रकाश ने बीना में मालगाड़ी के एक्सल स्प्रिंग में आग के खतरे से बचाया, अनुज ने मालगाड़ी के हाट एक्सल वैगन को गाड़ी से अलग कर संभावित खतरे से बचाया, विनोद ने मालगाड़ी के असामान्य वैगन को संभावित घटना से बचाया, राजकुमार ने भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस को ब्रेक बाईन्डिंग के खतरे से बचाया, पुष्पेन्द्र और धर्मेन्द्र ने रेलवे ट्रैक पर वेल्डिंग क्रैक को समय रहते सूचित करते हुए सतर्कता से संभावित दुर्घटना से बचाया।

इनके प्रयासों से न केवल रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई बल्कि रेलवे संपत्ति की भी सुरक्षा हुई। रेल प्रशासन कर्मचारियों के समर्पण, तत्परता एवं कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करता है और भविष्य में भी इसी प्रकार कर्तव्य के प्रति समर्पित रहने हेतु प्रेरित करता है। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी ने कर्मचारियों के उत्साह, सजगता एवं समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, जिसके लिए रेलकर्मियों को निरंतर प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्री रोहित मालवीय, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री विजय शंकर गौतम, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) श्री रामेन्द्र पाण्डेय सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध शराब के विरुद्ध कड़ी और प्रभावी कार्रवाई

भोपाल । मध्यप्रदेश पुलिस ने अवैध शराब के निर्माण, परिवहन और विक्रय के विरुद्ध प्रदेश भर में चलाए जा रहे 'जीरो टॉलरेंस' अभियान के तहत बीते एक सप्ताह में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है। पुलिस की निरंतर और सटीक कार्यवाहियों के परिणामस्वरूप राज्य के विभिन्न जिलों से लगभग 1 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अवैध शराब, वाहन और अन्य सामग्रियां जब्त की गई हैं। इन कार्रवाइयों ने शराब माफियाओं के नेटवर्क को गंभीर रूप से प्रभावित किया है और उनकी अवैध गतिविधियों पर आर्थिक चोट पहुँचाई है। अलीराजपुर- जिले में थाना अम्बुआ पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में 1330 पेटी (लगभग 15 हजार 960 लीटर) अवैध शराब और एक ट्रक सहित कुल 62 लाख 56 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया है। यह कार्रवाई इस माह की सबसे बड़ी जब्तियों में से एक है। भोपाल- राजधानी भोपाल में भी पुलिस ने शराब तस्करों पर नकेल कसते हुए महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल कीं। थाना कमला नगर पुलिस ने एक वाहन से विभिन्न ब्रांड की 25 पेटियाँ व बीयर सहित कुल 20 लाख रुपये का मशरूका बरामद किया है। वहीं, थाना खजूरी सड़क पुलिस ने 40 लीटर अवैध शराब व एक कार सहित लगभग 1 लाख 49 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की। शिवपुरी- जिले की थाना करैरा पुलिस ने 24 पेटी देशी शराब, बोलेरो और कार सहित कुल 14 लाख 20 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया। इसी जिले के बैराड़ थाना क्षेत्र में दो अन्य कार्रवाइयों में पुलिस ने 1 लाख 31 हजार 660 रुपये की शराब और मोटरसाइकिल जब्त करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने एसआईआर को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपाकर

अनियमितताओं पर त्वरित कार्रवाई की मांग की

भोपाल, नप्र। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष श्री रविन्द्र यति ने सोमवार को भोपाल कलेक्टर को मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण से संबंधित एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। उन्होंने शहर में मतदाताओं को हो रही विविध कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए, इनके त्वरित समाधान की आवश्यकता जताई तथा पुनरीक्षण प्रक्रिया को अधिक सरल एवं सुगम बनाने हेतु शहर के प्रमुख स्थानों पर शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक विशेष कैंप आयोजित करने का अनुरोध किया। ज्ञापन में सही काम न करने वालों बीएलओ को हटाया जाए, बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र गलत व्यक्तियों को दिए जाने, रसीद जारी न करने, बीएलओ की अनुपस्थिति,

फॉर्म गलत भरने व असहयोग की स्थिति, कुछ बीएलओ को प्रपत्र भरने का पर्याप्त ज्ञान न होना तथा स्थानांतरित मतदाताओं को नियम विरुद्ध फॉर्म न देने जैसी गंभीर अनियमितताओं का उल्लेख किया गया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष श्री मनोज राठौर, श्री राजकुमार विश्वकर्मा श्री अश्वनी राय, श्री योगेंद्र मुखरैया एवं श्री योगेंद्र परमार उपस्थित रहे।

जीईटी इंडक्शन प्रोग्राम में 8 राज्यों के 92 युवा इंजीनियरों को दिया उद्योग-केंद्रित प्रशिक्षण

भोपाल । संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में ग्रेजुएट इंजीनियर्स ट्रेनिंग जीईटी इंडक्शन प्रोग्राम के तहत देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों आईआईटी, एनआईटी सहित इंजीनियरिंग कॉलेजों से आए 92 युवा इंजीनियरों को उद्योग-केंद्रित, गहन और आधुनिक तकनीक आधारित कौशल प्रशिक्षण दिया गया। यह बैच आठ राज्यों से आया था, जिसमें 19 छात्राएँ भी शामिल रहीं। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य युवाओं को वास्तविक औद्योगिक वातावरण, प्रक्रियाओं और तकनीकों का प्रशिक्षण देना था। कार्यक्रम के दौरान मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और इंस्ट्रूमेंटेशन क्षेत्रों में विस्तृत हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी गई, जिसमें मशीन संचालन, ऊर्जा प्रबंधन, औद्योगिक सुरक्षा, डिजिटल

मॉनिटरिंग सिस्टम, प्रोसेस ऑप्टिमाइज़ेशन और प्रिसीजन इंजीनियरिंग जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल थे। इन मॉड्यूल्स ने प्रतिभागियों को आधुनिक उद्योगों की मांगों के अनुरूप व्यावहारिक कौशल विकसित करने में मदद की। यह पहल ग्लोबल स्किल्स पार्क में इंडस्ट्री की मांग के अनुसार कौशल प्रशिक्षण सहयोग की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ, विश्वस्तरीय अवसंरचना और विशेषज्ञ प्रशिक्षकों की सक्रिय भागीदारी ने युवाओं को वास्तविक समय में काम करने का अनुभव प्रदान किया। प्रशिक्षण से प्रतिभागियों में तकनीकी दक्षता के साथ प्रोफेशनल आत्मविश्वास भी बढ़ाया। जीईटी इंडक्शन प्रोग्राम स्किल इंडिया मिशन के विज़न को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में युवा इंजीनियरों को तकनीकी रूप से तैयार किया जा रहा है।

ट्रेनों में अपग्रेडेशन सिस्टम की सुविधा-यात्रियों को मिलेगा उच्च श्रेणी में यात्रा का अवसर

भोपाल, नप्र। यात्रियों को बेहतर, सहज एवं आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रेल द्वारा ट्रेनों में अपग्रेडेशन सिस्टम संचालित किया जा रहा है। इस प्रणाली के माध्यम से सिस्टम द्वारा आटोमेटिक ही यात्रियों को उनकी वर्तमान लोअर श्रेणी से उच्च श्रेणी में निःशुल्क अपग्रेड प्रदान किया जाता है, बशर्ते उच्च श्रेणी में सीटें उपलब्ध हों एवं यात्री द्वारा इस सुविधा का चयन किया गया हो।चार्ट तैयार होने के दौरान यदि किसी कोच में सीटें खाली पाई जाती हैं, तो सिस्टम द्वारा बिना किसी कन्सेशन पर बने टिकट को स्वतः ही उच्च श्रेणी में अपग्रेड कर देता है। इस प्रक्रिया में यात्रियों को किसी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होता। साथ ही सीटें अपग्रेड होने के बाद प्रतीक्षारत सूची के यात्रियों को भी कन्फर्म आरक्षित बर्थ मिलने की सम्भावना बढ़ जाती है।आंकड़ों की बात करें तो 1 अप्रैल 2025 से 15 नवम्बर 2025 तक की अवधि में भोपाल मंडल में 32,759 यात्रियों को अपग्रेडेशन सुविधा का लाभ प्रदान करते हुए उच्च श्रेणी में आरक्षित सीटें को अपग्रेड किया गया।

सीनियर डीसीएम श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि रेलवे द्वारा यह व्यवस्था यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के साथ साथ सीटों का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लागू की गई है। यात्रियों से अपील है कि वे टिकट बुकिंग के दौरान उपरोक्त विकल्प चुनकर इस सुविधा का लाभ उठाएँ और बेहतर तथा आरामदायक यात्रा अनुभव प्राप्त करें।

अंतर्राष्ट्रीय संवाद और सहयोग से मध्यप्रदेश बना वैश्विक फिल्म निर्माण का केंद्र: शुक्ला

IFFI GOA में हुए अंतर्राष्ट्रीय संवाद और महत्वपूर्ण व्यावसायिक बैठकें

भोपाल, नप्र। अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव गोवा 2025 में, मध्यप्रदेश पर्यटन ने अपनी फिल्म-निर्माण क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ करने के लिए गहन अंतर्राष्ट्रीय संवाद और महत्वपूर्ण व्यावसायिक बैठकें आयोजित कीं। अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति, गृह एवं प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला के नेतृत्व में, प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के फिल्म-फ्रेंडली इको सिस्टम को मजबूती से स्थापित किया।

इस कड़ी में, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड ने स्पेन फिल्म कमीशन के साथ 'डिस्कवरिंग मध्यप्रदेश थ्रू ए ग्लोबल लेंस' विषय पर एक महत्वपूर्ण फायरसाइड चैट का आयोजन किया। अपर मुख्य सचिव श्री शुक्ला और स्पेन फिल्म कमीशन के प्रेसिडेंट श्री जुआन मैनुअल ने 'इंडिया-स्पेन क्रिएटिव फिल्म कॉरिडोर' पर विचार-विमर्श किया। अपर मुख्य सचिव श्री शुक्ला ने मध्यप्रदेश को 'पूरा प्रदेश स्वयं एक खुला फिल्म कैनवास' बताते हुए यहाँ की विविध लोकेशनों–शांत वादियों, रहस्यमयी जंगलों, प्राचीन विरासतों और जीवंत नगर-दृश्यों–पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्थानीय लोगों के सहज और सहयोगी स्वभाव को भी एक बड़ा कारक बताया, जो हर प्रोजेक्ट को सुखद

और सृजनात्मक अनुभव में बदल देता है। इसके पश्चात, ÒStrengthening the Madhya Pradesh Film Ecosystद्वद्व' विषय पर एक उच्च-स्तरीय राउंडटेबल चर्चा सत्र आयोजित हुआ। इसमें न्यूज़ीलैंड फ़िल्म कमीशन, ब्रिटिश फ़िल्म इंस्टिट्यूट, नेटफ्लिक्स इंडिया सहित जापान, फिनलैंड और कनाडा के प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय फिल्म उद्योग प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। सभी प्रतिनिधियों ने मध्य प्रदेश की नई फिल्म पॉलिसी 2.0, अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों के लिए दिए जा रहे प्रोत्साहन, उत्कृष्ट लोकेशन सपोर्ट और आसान शूटिंग प्रक्रिया की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। फिल्मकारों ने एकमत से स्वीकार किया कि मध्यप्रदेश अपनी अद्भुत भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता के कारण वैश्विक फिल्म निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण और उभरता हुआ केंद्र बन रहा है।

महोत्सव में 'वेव्स' फ़िल्म बाज़ार के भीतर मध्यप्रदेश का पवेलियन रचनात्मक ऊर्जा और उत्साह का केंद्र बना रहा। इस पवेलियन में प्रदेश की फिल्म निर्माण क्षमताओं, विविध लोकेशनों और विश्वस्तरीय सुविधाओं का प्रभावी ढंग से प्रदर्शन किया गया। यह पवेलियन इस बात का साक्षी बना कि मध्यप्रदेश न केवल स्त्री, भूल भुलैया-3 जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों, बल्कि पंचायत, गुल्लक, महारानी जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज़ और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित लापता लेडीज़ तथा होमबाउंड जैसी फिल्मों का भी पसंदीदा फिल्मांकन स्थल रहा है। अपनी सांस्कृतिक धरोहर और मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ, मध्यप्रदेश स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर तक फिल्मकारों के लिए एक अपरिहार्य गंतव्य बनता जा रहा है।

विद्यार्थियों के हित में समय सीमा में करें केन्द्र से प्राप्त बजट का उपयोग

एसीएस अनुपम राजन ने पीएम ऊषा परियोजना की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

भोपाल, नप्र। उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन ने शनिवार को प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम ऊषा) के अंतगर्त निर्माण, क्रय एवं सॉफ्ट कंपोनेट के तहत किए जा रहे कार्य प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर आयुक्त उच्च शिक्षा, श्री प्रबल सिपाहा, अतिरिक्त परियोजना संचालक, श्री सुनील कुमार सिंह, संचालक वित्त श्री जितेन्द्र सिंह, वित्त नियंत्रक राज्य परियोजना संचालनालय, श्री चंद्रमणि खोब्रागडे, सहित विश्वविद्यालय/महाविद्यालय के पीएम ऊषा परियोजना के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

एससीएस श्री अनुपम राजन ने विश्वविद्यालय/महाविद्यालय के नोडल अधिकारियों को पीएम ऊषा परियोजना के अंतगर्त प्राप्त बजट का विद्यार्थियों के हित में समय सीमा में उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थाओं में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक सभी सुविधाओं को उपलब्ध कराना है। विश्वविद्यालय/महाविद्यालय के

इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार के माध्यम से ही हम विद्यार्थियों को एक बेहतर वातावरण प्रदान कर सकते हैं। उन्हे उपकरणों से परिपूर्ण लैब, स्मार्ट क्लासरूम के साथ कम्प्युटर, इंटरनेट, बिजली एवं पानी जैसी बेसिक सुविधाओं भी प्राप्त हों। श्री अनुपम राजन ने सॉफ्ट कंपोनेट के तहत दिए जा रहे कोर्सेस, प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं के बारे में भी नोडल अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मद के तहत प्राप्त बजट के माध्यम से विद्यार्थियों को कौशल एवं व्यक्तित्व विकास संबंधी कोर्सेस कराए जाएं। उन्होंने कहा कि पोर्टल एवं अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध सर्टिफिकेट कोर्सेस भी इस मद के तहत विद्यार्थियों को उपलब्ध कराये जायें। इस अवसर पर आयुक्त उच्च शिक्षा, श्री प्रबल सिपाहा ने निर्देश दिए कि सभी विश्वविद्यालय/महाविद्यालय अगले वर्ष के निर्माण एवं क्रय कार्यों के लिये अभी से अपनी डीपीआर एवं अन्य आवश्यशक तैयारी कर लें, जिससे अगले वर्ष इन योजनओं पर शीघ्र कार्य प्रारंभ किया जा सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, रेणु शर्मा द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर भोपाल, से मुद्रित तथा ई-3/23, अरेरा कॉलोनी, भोपाल (मप्र) से प्रकाशित। संपादक-आशीष गोस्वामी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा ।) Email : narmadanewsttp@gmail.com, मोबाईल . 7697769136